www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 100 || लखनऊ
शुक्रवार
10 जुलाई 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:18
सूर्यास्तः 07:04
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 27°00

» पेज 07

विशेष समाचार: आख़िर चढ़ावा चोरी और वक्फ... » पेज 04 | गला रेतकर महिला की हत्या... » पेज 06 | धर्मेंद्र को याद कर फिर इमोशनल...

सुष्मिता, सुखेंदु और प्रकाश चिक ने विधानसभा चुनाव में हार के बाद इस्तीफा दिया था

सुखेंदु समेत 3 पूर्व टीएमसी सांसद बीजेपी में शामिल

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में गुरुवार को बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला। तृणमूल कांग्रेस (TMC) के तीन पूर्व राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव, सुखेंदु शेखर राय और प्रकाश चिक बराइक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। कोलकाता में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने तीनों नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई। यह घटनाक्रम हाल के दिनों में टीएमसी में बढ़ी राजनीतिक उठापटक के बीच सामने आया है। तीनों नेताओं के इस्तीफे से खाली हुई राज्यसभा सीटों पर निर्वाचन आयोग ने उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित किया है।

बंगाल की राजनीति पर रहेगी नजर

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तीन पूर्व राज्यसभा सांसदों का भाजपा में शामिल होना और राज्यसभा उपचुनाव की घोषणा पश्चिम बंगाल की राजनीति को नया मोड़ दे सकती है। आने वाले दिनों में उपचुनाव के नतीजे और टीएमसी के भीतर जारी घटनाक्रम राज्य की राजनीतिक दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

टीएमसी की संसदीय ताकत में आई कमी

हालिया राजनीतिक घटनाक्रम के बाद टीएमसी की संसदीय स्थिति भी प्रभावित हुई है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, पार्टी के 28 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसद अलग हो चुके हैं, जिसके बाद लोकसभा में पार्टी के पास केवल 8 सांसद रह गए हैं। राज्यसभा में भी टीएमसी के 13 सांसदों में से चार के इस्तीफे के बाद अब 9 सांसद ही बचे हैं। वहीं, पश्चिम बंगाल विधानसभा में भी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। चुनाव में 80 सीटें जीतने वाली टीएमसी के 58 विधायक अलग गुट में शामिल हो चुके हैं, जिससे पार्टी के पास अब 22 विधायक ही शेष बताए जा रहे हैं।

> *तीनों नेताओं ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी की हार के बाद पहले राज्यसभा की सदस्यता और फिर पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। सुखेंदु शेखर राय ने 8 जून, सुष्मिता देव ने 10 जून और प्रकाश चिक बराइक ने 11 जून को अपने पदों से इस्तीफा दिया था। इसके बाद से उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही थीं, प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग को पार्टी में हुए संगठनात्मक बदलावों और नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी (एनडब्ल्यूसी) से संबंधित जानकारी भी सौंपी थी।*

सीएम योगी बस्ती को देंगे 504 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

30 का शिलान्यास और 47 का होगा लोकार्पण

तमसा संकेत, एजेंसी

बस्ती। हर्रैया में आयोजित कार्यक्रम में शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुल 77 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। इनमें 30 परियोजनाओं का शिलान्यास व 47 का लोकार्पण किया जाना है। हर्रैया और कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्रों में कुल 504.34 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया जाएगा। हर्रैया विधानसभा में 85.54 करोड़ रुपये की 22 नई परियोजनाओं का शिलान्यास और 275.76 करोड़ रुपये की 30 परियोजनाओं का लोकार्पण होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को जिले के हर्रैया स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय परिसर में बने हेलीपैड पर दोपहर 12.20 बजे पहुंचेंगे। यहां से करीब सौ मीटर दूर कार्यक्रम स्थल पूर्व माध्यमिक विद्यालय परिसर 12.25 पर पहुंचेंगे।

राममंदिर चढ़ावा : चोरीआरोपियों के घर से नोटों के बंडल मिले

रिश्तेदारों के 30 बैंक अकाउंट फ्रीज, चंदे की रकम ब्याज पर बांटी, शेयर मार्केट में लगाई

> *कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में प्रधानमंत्री मोदी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते, क्योंकि यह ट्रस्ट उन्होंने ही बनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रस्ट में विशेष विचारधारा के लोगों को रखा गया और उन्होंने अपने भाई-भतीजों को नौकरी पर लगवा दिया।*

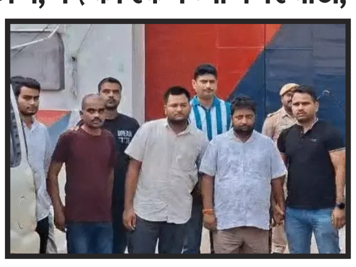

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी अनुकल्प मिश्रा को पुलिस गुरुवार सुबह 9 बजे उसके घर लेकर गई। वहां करीब 20 मिनट तक तलाशी ली। घरवालों से भी पूछताछ की। इससे पहले, बुधवार को पुलिस लवकुश मिश्रा और करुणेश पांडेय को भी उनके घरों पर लेकर गई थी।

» (शेष पेज 06 पर)

अनुकल्प के घर से एक एकड़ जमीन के दस्तावेज मिले

अयोध्या में अनुकल्प मिश्रा से पूछताछ के बाद पुलिस ने उसके घर पर छापेमारी की। इस दौरान उसके नाम पर खरीदी गई एक एकड़ जमीन के दस्तावेज बरामद हुए। दस्तावेजों के अनुसार, जमीन की खरीद के समय इसकी कीमत करीब 6 लाख 70 हजार रुपए दर्ज की गई थी। हालांकि, वर्तमान में इस जमीन का बाजार मूल्य इससे कई गुना अधिक बताया जा रहा है।

भारत को यूरेनियम सप्लाई करेगा ऑस्ट्रेलिया

परमाणु ऊर्जा और हथियारों के लिए जरूरी, मोदी ऑस्ट्रेलियन पीएम से बोले-हम आपसे सीख रहे

मोदी बोले- दोनों देशों का रिश्ता क्रिकेट जैसा

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वार्ता के बाद दोनों पीएम मोदी और पीएम अल्बनीज ने संयुक्त बयान जारी किया।

रिश्तों को क्रिकेट से जोड़ाः पीएम मोदी ने कहा- दोनों देशों का रिश्ता क्रिकेट जैसा है। हमारी मुलाकातें क्रिकेट की तरह होती हैं। एजेंडे में वनडे जैसा फोकस है, फैसले टी-20 की तरह तेजी से होते हैं और हमारी साझेदारी टेस्ट मैच की तरह लंबी और मजबूत है।

पीएम अल्बनीज ने कहा- आज हमने 2015 के भारत-ऑस्ट्रेलिया परमाणु सहयोग समझौते के तहत भारत को यूरेनियम निर्यात की व्यवस्था पर साइन किए हैं। हम दोनों देशों के रिश्तों को और गहरा बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

दोनों देशों ने ऑस्ट्रेलिया-भारत साइबर, क्रिटिकल टेक्नोलॉजी और सप्लाई चेन (PACTS) पार्टनरशिप शुरू करने पर सहमति जताई है। इसके तहत दोनों देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, साइबर सिक्योरिटी और डिजिटल रेजिलिएंस जैसे क्षेत्रों में एकसाथ रिसर्च करेंगे।

तमसा संकेत, एजेंसी

मेलबर्न। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गुरुवार को यूरेनियम डील पर मुहर लग गई है। मेलबर्न में पीएम मोदी और ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीज ने मीटिंग के बाद जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में रक्षा, व्यापार, ऊर्जा, स्पेस और महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स) समेत कई क्षेत्र में समझौतों की घोषणा की। मोदी ने कहा- भारत और ऑस्ट्रेलिया मिलकर क्रिटिकल मिनरल्स कॉरिडोर भी विकसित करेंगे। कोकोस (कीलिंग) द्वीप पर स्पेस ट्रैकिंग टर्मिनल बनाया जाएगा, जिससे भारत के गगनयान मिशन को मदद मिलेगी।

» (शेष पेज 06 पर)

दोनों देश मिलकर बनाएं स्पेस ट्रैकिंग टर्मिनल

भारत ने अपना पहला परमाणु परीक्षण 1974 में ही किया था. 1998 में परमाणु परीक्षण करने के बाद भारत पर इंटरनेशनल टेक्नोलॉजी बैन, और यूरेनियम बिजनेस पर रोक लगा दी गई थी. लेकिन हालात 2008 में बदले. जब न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप ने भारत को अपने सदस्यों से यूरेनियम खरीदने पर छूट दे दी थी. इसके अलावा दोनों देश मिलकर हिंद महासागर में ऑस्ट्रेलिया के कोकोस कीलिंग द्वीप पर एक अस्थायी स्पेस ट्रैकिंग टर्मिनल बनाएंगे. यह भारत के अंतरिक्ष उड़ान प्रोजेक्ट्स में मदद करेगा.

ऑस्ट्रेलिया के पास दुनिया का 28 प्रतिशत यूरेनियम भंडार

ऑस्ट्रेलिया के पास दुनिया का 28% प्रतिशत यूरेनियम भंडार है. वह न तो न्यूक्लियर पावर का इस्तेमाल करता है, न ही हथियार बनाता है. वह सारा यूरेनियम निर्यात कर देता है. इससे 1.4 अरब की आबादी वाला भारत 2047 तक 100 गीगावाट न्यूक्लियर पावर क्षमता को स्थापित करना चाहता है. इससे 6 करोड़ भारतीय घरों को बिजली मिल सके. भारत ने पिछले दशकों में न्यूक्लियर पावर क्षमता को दोगुना किया है. कुल बिजली उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी सिर्फ 3 प्रतिशत है. इसकी वजह यूरेनियम की कमी.

भारत-ऑस्ट्रेलिया

भारत अभी 4 देशों से यूरेनियम खरीद रहा

देश	कितना?	खास बात
कजाखस्तान	40-50%	भारत का सबसे बड़ा विदेशी यूरेनियम स्रोत
कनाडा	20-30%	2015 के समझौते के बाद आपूर्ति बढ़ी।
रूस	10-15%	परमाणु क्षेत्र में भारत का पुराना रणनीतिक साझेदार।
उज्बेकिस्तान	करीब 10%	हाल के वर्षों में आपूर्ति बढ़ाने वाला देश।

2 अहम सवाल

Q1 ऑस्ट्रेलिया से यूरेनियम क्यों?
दुनिया का चौथा सबसे बड़ा यूरेनियम उत्पादक देश है।

Q2 इतने यूरेनियम की क्या जरूरत है?
भारत 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य लेकर चल रहा है। इसके लिए कोयले पर निर्भरता कम करने और परमाणु ऊर्जा क्षमता बढ़ाने की योजना है

मोदी बोले- आज भारत 6जी टेक्नोलॉजी पर काम कर रहा है

- कुछ सालों पहले 5जी टेक्नोलॉजी को लेकर देश में कई सवाल था। कैसे होगा, कितना समय लग जाएगा। हमने 2020 में इसकी शुरुआत की और आज 99 प्रतिशत कवर कर चुके हैं।
- आज भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ी 5जी मार्केट बन चुका है। इतना ही नहीं, भारत आज मेड इन इंडिया 6जी टेक्नोलॉजी पर काम कर रहा है। वह इसलिए क्योंकि, भारतीय कहते हैं ग्रो मोर, ग्रो मोर।
- पिछले 12 सालों में भारत के दो दर्जन से ज्यादा शहरों में मेट्रो नेटवर्क पहुंच चुका है। आज सवा करोड़ से ज्यादा लोग मेट्रो में सफर करते हैं। हम नमो भारत रैपिड रेल नेटवर्क को भी तेजी से बढ़ा रहे हैं।

> **मोदी ने कहा- यहां बच्चे स्कूल से घर ऑस्ट्रेलियन टाइम के हिसाब से जाते है। लेकिन भारत में दादा-दादी, नाना-नानी वीडियो कॉल पर इंतजार कर रहे होते हैं। भले ही दूरी कई किमी की है, लेकिन डेली रुटिन आज भी भारत से जुड़ा हुआ है।**

फास्ट न्यूज

कॉकरोच पार्टी फाउंडर दीपके ने पुलिस के पैर पकड़े

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) 20 दिन से जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रही है। फाउंडर अभिजीत दीपके ने गुरुवार को पुलिसवालों के पैर पकड़े और हाथ जोड़े। वे टेंट लगाने की इजाजत मांग रहे थे ताकि भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों को बारिश से बचाया जा सके। दीपके ने इस घटना का वीडियो शेयर किया।

शरद पवार के एनडीए में जाने की अटकलें

मुंबई। शरद पवार की पार्टी NCP के NDA में शामिल होने या कांग्रेस में विलय की अटकलें हैं। हालांकि, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने इन सभी चर्चाओं को अफवाह बताया है। सूत्रों के मुताबिक, शरद की पार्टी के नेता NDA में शामिल के फेवर में नहीं हैं। कुछ नेताओं ने इस पर असहमति जताई है। पोता रोहित पवार इस फैसले के खिलाफ हैं। दरअसल, इन अटकलों को उस समय और बल मिला, जब शरद पवार ने महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद पर 8 जुलाई को मुंबई में विधानभवन में मीटिंग हुई थी। इसके बाद पवार ने डिप्टी CM शिंदे के कमरे में अपनी पार्टी के विधायकों से मुलाकात की।

डायबिटीज पेशेंट को हफ्ते में एकबार लेना होगा इंसुलिन इंजेक्शन

नई दिल्ली। डायबिटीज मरीजों के लिए राहत की खबर है। डेनमार्क की दवा कंपनी नोवो नॉर्डिस्क ने बुधवार को भारत में Awiqli (इंसुलिन आइकोडेक) लॉन्च की। कंपनी का दावा है कि यह हफ्ते में एक बार दिए जाने वाला बेसल इंसुलिन है, जो टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज के वयस्क मरीजों के लिए है।

मानसून ने पूरे देश को किया कवर

गाजियाबाद में सड़क धंसी, कार-बाइक गड्ढे में समाई

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना। मानसून ने गुरुवार को पूरे देश को कवर कर लिया है। आमतौर पर यह 8 जुलाई को देश का पूरा हिस्सा कवर कर लेता है, लेकिन इस बार एक दिन लेट है। मानसून के कारण सभी राज्यों में बारिश का दौर जारी है। यूपी में गुरुवार सुबह से नोएडा, मथुरा, मेरठ, बुलंदशहर समेत 50 शहरों में तेज बारिश हो रही है। नोएडा में सड़कों पर एक से दो फीट तक पानी भर गया।

वहीं, गाजियाबाद में 10 फीट सड़क धंस गई। इसमें कार और बाइक समा गई। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में नालूपानी और यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर लैंडस्लाइड हुआ। वहीं, टिहरी में बुधवार को NH-707A पर दुकानों के पास लैंडस्लाइड में एक मकान गिर गया। आसपास के दो से तीन मकान कभी भी गिर सकते हैं। इधर, राजस्थान के अजमेर जिले के किशनगढ़ में बुधवार रात बारिश से एक मकान ढह गया।

मुलाकात : इशारा एसआईटी चीफ विश्वास पंत की तरफ, पीड़ित ठेकेदार बोला-कागजों में जालसाजी की थी

एसआईटी के अफसर पर 420 की एफआईआर : अखिलेश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार सुबह 8 बजे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान अखिलेश ने शंकराचार्य के पैर छुए। वह जमीन पर बैठे नजर आए। 30 मिनट बाद अखिलेश बाहर आए। राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर मीडिया से कहा- हमारे धर्म में चढ़ावे की चोरी महापाप है। इन्होंने महापाप किया है। भाजपा में भगदड़ शुरू भी हो गई है। बहुत सारे लोग मुझसे अभी से संपर्क करने लगे हैं। SIT सिर्फ लीपापोती कर रही है । सुनने में आया कि SIT पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। एक सदस्य पर 420 का मुकदमा है। यह लड़ाई बड़ी है। यह दिल्ली-लखनऊ की लड़ाई है। आप नहीं समझ पा रहे हैं। वहीं, शंकराचार्य ने अखिलेश से बातचीत में कहा- मंदिर में घोटाला हुआ है।

» (शेष पेज 06 पर)

> *शिव कुमार ने बताया कि मैंने सीजेएम कोर्ट में सभी साक्ष्य पेश किए कि जांच सही नहीं हुई है। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम के एमडी रहते हुए पंत को दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करानी चाहिए थी। मेरठ के सीओ क्राइम के पास अभी भी जांच विचाराधीन है। हालांकि, इस पूरे मामले में पुलिस ने फाइनल रिपोर्ट (एफआर) लगा दी है। पुलिस का कहना है कि वह आईएएस अफसर के खिलाफ चार्जशीट कैसे पेश कर सकते हैं?*

7 साल पहले दर्ज हुआ था केस, ठेकेदार का पेमेंट रोका था

मेरठ में दुर्गा इलेक्ट्रिकल के मालिक शिव कुमार ने परीक्षितगढ़ थाने में साल-2015 में मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि 2007 में ग्राम विकास अंबेडकर योजना के तहत उन्होंने बिजली की लाइन बिछाने का काम किया था। काम पूरा करके बिल पेश कर दिया था। लेकिन, वहां तैनात इंजीनियर और कर्मचारी कमीशन की मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं करने से उन लोगों ने भुगतान नहीं किया। बिलों पर फ्लूड लगाकर काम अधूरा दिखा दिया।

विजय विश्वास पंत	किरण शिवकुमार	नीलरतन कुमार
IAS	IPS	यूपी फाइनेंस एंड अकाउंट्स सर्विस
लखनऊ मंडलायुक्त	IG लखनऊ रेंज	विशेष सचिव (वित्त)
बैच- 2004	बैच- 2008	बैच- 1986

महाकुंभ में भी विवादित रहे थे विजय विश्वास पंत

महाकुंभ- 2025 में विजय विश्वास पंत प्रयागराज के मंडलायुक्त थे। तब हुई भगदड़ के समय पंत ने कहा था कि जो सोवत है, वो खोवत है। जल्दी-जल्दी चलिए। सभी श्रद्धालु सुन लें, यहां लेटे रहने से कोई फायदा नहीं है।

ममता टीएमसी के बैंक खातों से सीमित लेनदेन कर सकेंगी

हाईकोर्ट ने निगरानी के लिए विशेष अधिकारी नियुक्ति किया

इजाजत

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस (TMC) के ममता बनर्जी गुट को पार्टी के फ्रीज किए गए तीन बैंक खातों से सीमित लेनदेन की इजाजत दे दी। हालांकि खातों से सिर्फ रोजमर्रा और कानूनी मामलों से जुड़े खर्च ही किए जा सकेंगे। खातों के भुगतान पर निगरानी के लिए हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस सुब्रत तालुकदार की नियुक्ति की है। वे 30 सितंबर तक काम करेंगे। जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की सिंगल बेंच ने यह आदेश दिया। पार्टी के तीनों खातों से किसी भी भुगतान के लिए अधिकृत दस्तखत करने वालों में से किसी भी दो के दस्तखत वाले चेक विशेष अधिकारी के सामने पेश किए जाएंगे। उनके काउंटर साइन के बाद ही बैंक भुगतान करेगा। विशेष अधिकारी को हर महीने 1.25 लाख रुपए दिए जाएंगे। यह भुगतान भी TMC के इन्ही बैंक खातों से किया जाएगा। 18 जून को बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट के साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि TMC के एक निजी बैंक में मौजूद तीन खाते अपराध की कमाई रखने के लिए इस्तेमाल किए गए हैं।

विद्युत अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण से लो-वोल्टेज, ओवरलोडिंग और फॉल्ट की समस्याओं में आएगी कमी : ए. के. शर्मा

ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने मऊ में 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का किया शिलान्यास

कार्यक्रम

कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ भूमि पूजन से हुआ। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए. के. शर्मा ने बुधवार को मऊ जनपद के बंधा रोड स्थित प्रस्तावित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। इसके साथ ही बहुउद्देशीय भवन मंगलम में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि मा. प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और मा. मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विद्युत क्षेत्र को आधुनिक, सुदृढ़ और उपभोक्ता-केंद्रित बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण, निर्बाध एवं विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने बताया कि लगभग 530 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाले इस 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र की क्षमता 5+5 एमवीए होगी। इसके अंतर्गत चार नए 11 केवी फीडरों का निर्माण किया जाएगा, जिससे वर्तमान विद्युत उपकेंद्रों पर पड़ने वाला अतिरिक्त भार कम होगा तथा क्षेत्र की विद्युत वितरण व्यवस्था अधिक संतुलित और प्रभावी बनेगी। शर्मा ने बताया कि इस उपकेंद्र के स्थापित होने से पटन टोला, व्यारी टोला, संस्कृत पाठशाला, हरिकेशपुरा, सदर चौक, मलिक टोला, हट्टी मदारी, औरंगाबाद, हनुमान घाट, आफिसर्स कॉलोनी, रेलवे क्वार्टर, गायघाट, खालसा, ख्वाजाजहांपुर तथा काजीजलनचक सहित अनेक क्षेत्रों के लगभग 4,000 उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। इन क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा तथा उपभोक्ताओं को अधिक स्थिर और निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपकेंद्र का निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण किया जाए, ताकि क्षेत्र की जनता को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके।

ऊर्जा मंत्री शर्मा ने कहा कि बिजली केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि प्रदेश के आर्थिक विकास, उद्योग, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और आम जनजीवन की आधारशिला है। इसी उद्देश्य से पूरे प्रदेश में विद्युत उत्पादन, पारेषण और वितरण व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है, ताकि प्रत्येक उपभोक्ता तक बेहतर गुणवत्ता की बिजली समयबद्ध और निर्बाध रूप से पहुंच सके।

ओवरलोडिंग की समस्या कम होगी, लो-वोल्टेज से राहत मिलेगी

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि नए उपकेंद्र के संचालन से 11 केवी लाइनों की लंबाई कम होगी, जिससे तकनीकी हानियों और फॉल्ट की घटनाओं में कमी आएगी। साथ ही ओवरलोडिंग की समस्या कम होगी, लो-वोल्टेज से राहत मिलेगी तथा बार-बार विद्युत बाधित होने जैसी समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित होगा। इससे उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा मिलने के साथ-साथ विद्युत वितरण प्रणाली की कार्यक्षमता भी बढ़ेगी।

गलत इंजेक्शन लगाने से 9 माह की बच्ची की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के एक प्राइवेट अस्पताल में 9 माह की बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने इलाज में लापरवाही बरतने और फर्जी बिल बनाकर शव नहीं देने का आरोप लगाकर जमकर हंगामा किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उन्हें शांत कराया। इसके बाद बिना बिल का भुगतान कराए अस्पताल प्रबंधन ने बच्ची का शव परिजनों को सौंप दिया।

मामला गोमती नगर स्थित वात्सल्य अस्पताल का है। आज, 9 जुलाई की सुबह करीब 5 बजे बाराबंकी के मसौली निवासी लाल बाबू की बच्ची अस्पताल में भर्ती हुई थी। सुबह करीब 11 बजे उसकी मौत हो गई।

बाराबंकी के मसौली थाना निवासी लाल बाबू की 9 महीने की बेटी आस्था को 8 जुलाई की रात अचानक तबीयत बिगड़ गई। आनन-फानन में परिजन बच्ची को

परिजन बोले- स्टाफ इंजेक्शन का नाम तक नहीं पढ़ पा रहा था, बिल नहीं भरा तो शव नहीं दिया

लेकर लखनऊ पहुंचे। 9 जुलाई की सुबह करीब 5 बजे गोमतीनगर के वात्सल्य अस्पताल में भर्ती कराया। बच्ची के चाचा प्रवीण गुप्ता ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब पांच बजे आस्था को तेज बुखार की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने उसे ICU में भर्ती कर इलाज शुरू किया। परिजनों का आरोप है कि आईसीयू में तैनात स्टाफ ने बच्ची की हालत पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया।

फास्ट न्यूज

एलयू में निष्कासित छात्रों का आंदोलन 38वें दिन भी जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में निष्कासित छात्रों का आंदोलन लगातार 38वें दिन भी जारी रहा। गुरुवार को बारिश के बीच कैंपस में सरस्वती प्रतिमा के सामने छात्र धरने पर बैठे रहे। इस दौरान बीच-बीच में नारेबाजी भी होती रही।

धरना दे रहे छात्रों का आरोप है कि कुलपति समेत विश्वविद्यालय प्रशासन कोई सुनवाई नहीं कर रहा है। और न ही वार्ता करने को तैयार है।

उत्तर प्रदेश बना मंडियों में जियो टैगिंग लागू करने वाला देश का पहला राज्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मंडी परिषद ने मंडियों में जियो टैगिंग आधारित गेट पास एवं प्री-अराइ-वल प्रणाली लागू कर देश में एक नई मिसाल कायम की है। इस अभिनव व्यवस्था को लागू करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है। नई व्यवस्था के तहत अब वाहनों की मंडी में प्रवेश (आगमन) एवं मंडी से निकास (प्रस्थान) दोनों समय जियो टैगिंग की जा रही है। इससे मंडी व्यवस्था अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय एवं तकनीक-सक्षम बनेगी तथा अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा।

दोस्त ने की थी ई-रिक्शा चालक की हत्या

दुबग्गा। काकोरी में ऑटो खरीदने निकले दिलीप रावत (30) की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने गुरुवार तड़के आरोपी मुजीब उर्फ मुन्ना को गिरफ्तार किया। आरोपी ने मोबाइल और पैसों के लालच में शराब के नशे में दिलीप की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने बताया कि काकोरी थाना क्षेत्र के दोनों गांव निवासी दिलीप मंगलवार को करीब 80 हजार रुपये लेकर मुजीब के साथ ऑटो खरीदने निकले थे।

धर्मवीर प्रजापति ने होमगार्ड्स मुख्यालय में विभागीय अधिकारियों के साथ की बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

12 जुलाई के वृहद वृक्षारोपण अभियान की तैयारियों के लिए निर्देश

होमगार्ड परिवार के स्वास्थ्य-सुरक्षा के प्रति सरकार की संवेदनशील -धर्मवीर प्रजापति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मवीर प्रजापति ने आज होमगार्ड्स मुख्यालय में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने विभागीय कार्यों की प्रगति, सेवा की गुणवत्ता एवं जनोपयोगी कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। साथ ही आगामी 12 जुलाई के वृहद वृक्षारोपण अभियान की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रजापति ने माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा होमगार्ड कैशलेस चिकित्सा योजना के अंतर्गत होमगार्ड स्वयंसेवकों, अवैतनिक अधिकारियों एवं उनके आश्रित परिवारों को योजना से जोड़ने के विषय में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह पहल हमारे कर्मनिष्ठ होमगार्ड परिवार के स्वास्थ्य-सुरक्षा के प्रति सरकार की संवेदनशील प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है। इस जनकल्याणकारी योजना एवं सतत मार्गदर्शन के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रति विभाग की ओर से हृदयपूर्वक आभार एवं धन्यवाद दिया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हाथों से सम्मानित हुए कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही

सीएम योगी के नेतृत्व में यूपी बना कृषि का सिरमौर

कृषि क्षेत्र में नीतिगत नेतृत्व के लिए उत्तर प्रदेश को मिला 17वां एग्रीकल्चर लीडरशिप अवॉर्ड 2026

खाद्यान्न उत्पादन 543 लाख से बढ़कर 750 लाख मीट्रिक टन, दूध-सब्जी-फल में यूपी नंबर वन- कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली/लखनऊ। एग्रीकल्चर टुडे ग्रुप द्वारा कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट नीतिगत नेतृत्व के लिए उत्तर प्रदेश को प्रतिष्ठित 17वें एग्रीकल्चर लीडरशिप अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हाथों से प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही को प्रदान किया गया। इस अवसर पर राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, गुजरात के कृषि मंत्री जीतूभाई वघानी, पूर्व मुख्य न्यायाधीश सदाशिवम, एग्रीकल्चर टुडे ग्रुप के चेयरमैन डॉ. एमजान खान एवं सीईओ डॉ. हारिस खान भी उपस्थित रहे। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि मेरे लिए, यह अत्यंत गर्व का क्षण है। यह सम्मान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। उत्तर प्रदेश आज कृषि के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने एग्रीकल्चर टुडे ग्रुप का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि 2017 में योगी सरकार बनने के बाद के ये नौ वर्ष कृषि क्षेत्र के भीतर ऐतिहासिक सफलताओं के वर्ष रहे हैं। मंत्री शाही ने कहा कि आज हम खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हैं। 2017 से पहले यूपी का किसान स्ट्रेस में था, बुंदेलखंड और पश्चिमी यूपी से किसान आत्महत्या की सूचनाएं आती थीं।

देशभर के किसानों को राहत मिली

मंत्री शाही ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को कृषि क्षेत्र का मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि जब वे केंद्र में कृषि मंत्री थे, तब उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की व्यवस्था बनाकर किसानों को बड़ी राहत दी। "उत्तर प्रदेश में पहले कोऑपरेटिव सेक्टर से 18 प्रतिशत ब्याज पर कृषि निवेश के लिए ऋण मिलता था। राजनाथ सिंह जी ने अटल जी से बात कर केसीसी शुरू कराया और आज किसानों को 4 प्रतिशत पर कर्ज मिल रहा है। इससे देशभर के किसानों को राहत मिली और कृषि में निवेश व व्यापकता बढ़ी।

> कृषि मंत्री ने बताया कि यूपी आज देश में सर्वाधिक दूध, सब्जी और फल उत्पादन करने वाला राज्य बन चुका है। शहद, अंडा और मछली उत्पादन में भी विशेष प्रगति हुई है। पहले कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की ग्रोथ 7.5 प्रतिशत थी, आज यह बढ़कर 18 प्रतिशत हो गई है।

बीजेपी के मंच पर दिखे थे, 4 जुलाई को मिला था कारण बताओ नोटिस

झटका : एआईसीसी सदस्य अशोक सिंह ने दिया इस्तीफा

तमसा संकेत, संवाददाता

अशोक सिंह ने पत्र में लिखा मेरे खिलाफ अनुशासन समिति द्वारा जो आरोप लगाए गए हैं, उनसे मैं आहत हूं। इसलिए मैं कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं, कृपया इसे स्वीकार करें।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस में एक बार फिर अंदरूनी कलह खुलकर सामने आ गई है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (AICC) के सदस्य अशोक सिंह ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा सीधे राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजा है। अशोक सिंह ने यह कदम पार्टी द्वारा हाल ही में उन पर लगाए गए 'पार्टी विरोधी गतिविधियों' के आरोपों से आहत होकर उठाया है।

इटावा से आने वाले अशोक सिंह पिछले दिनों बीजेपी के मंच पर नजर आए थे। इस पर 4 जुलाई 2026 को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति ने अशोक सिंह को एक कारण बताओ (शो-कॉज) नोटिस जारी किया था। इस नोटिस में उन पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त होने के गंभीर आरोप लगाए गए थे। इस नोटिस और आरोपों से अशोक सिंह बेहद आहत थे, जिसके बाद आज उन्होंने पार्टी को अलविदा कह दिया। अशोक सिंह ने मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे अपने पत्र में पार्टी के प्रति अपनी वफादारी का जिक्र करते हुए नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने लिखा कि वे पिछले 35 वर्षों से कांग्रेस के एक निष्ठावान सिपाही रहे हैं। उन्होंने एनएसयूआई (NSUI), युवा कांग्रेस और प्रदेश कांग्रेस में विभिन्न पदों पर रहकर सेवाएं दी हैं। वे उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी में लंबे समय तक प्रवक्ता के पद पर रहे और संगठन मंत्री की जिम्मेदारी भी संभाली। वे पिछले लगभग 20 वर्षों से एआईसीसी (AICC) के सदस्य के रूप में काम कर रहे थे।

35 साल पुराने नेता के इस्तीफे से गुटबाजी सामने आई

अशोक सिंह के इस्तीफे की प्रतिलिपि यूपी कांग्रेस के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष और अनुशासन समिति को भी भेजी गई है। 35 साल पुराने नेता के इस तरह अचानक इस्तीफा देने से यूपी कांग्रेस के भीतर गुटबाजी और अनुशासन के नाम पर अपनों को ही किनारे किए जाने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। फिलहाल इस इस्तीफे पर प्रदेश नेतृत्व की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

बेटों की मौत के बाद बहुओं ने घर से निकाला

लखनऊ। लखनऊ में एक बुजुर्ग महिला ने अपनी दो बहुओं पर संपत्ति पर कब्जा करने, घर से निकालने और जान से मारने की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि शिकायत के बावजूद पुलिस ने अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की, जिससे वह न्याय के लिए अधिकारियों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। पीड़िता गीता त्रिपाठी के मुताबिक, उनके पति और दोनों बेटों की बीमारी के कारण पहले ही मौत हो चुकी है। इसके बाद उन्होंने अपनी संपत्ति विधिवत गिफ्ट डीड के जरिए बेटी के नाम कर दी। आरोप है कि इसके बावजूद दोनों पुत्रवधुओं ने मकान पर अवैध कब्जा कर लिया और उन्हें घर से बाहर निकाल दिया। अब वह अपनी बेटी और दामाद के घर रहने को मजबूर हैं। महिला का कहना है कि उन्होंने पूरे मामले की शिकायत गोमतीनगर थाने में तहरीर देकर की थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें, उनके ड्राइवर और करीबी लोगों को लगातार जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं।

अलीगंज अग्निकांड मामले में कोर्ट ने सुरक्षित किया फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । अलीगंज अग्निकांड मामले की तीसरे दिन एलडीए की विहित प्राधिकारी कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान बिल्डिंग मालिक के वकील की ओर से यह पक्ष रखा गया कि बिल्डिंग में जो भी निर्माण अवैध है, उसको वह स्वयं अपने खर्चे पर गिरा लेंगे। नई भवन निर्माण नीति के तहत शमन मानचित्र पास कर दिया जाए।

वकीलों ने कोर्ट को यह भी बताया कि बिल्डिंग में किराएदार की ओर से संचालित की जा रही थी बिल्डिंग मालिक का इसमें कोई दोष नहीं है। वकीलों ने एलडीए की नोटिस पर भी यह सवाल उठाया की नोटिस में यह जानकारी नहीं दी गई की मौके पर कितना निर्माण अवैध है।

वकीलों की बात सुनने के बाद प्राधिकारी ने एलडीए के जेई से जानकारी ली। जेई ने कोर्ट को बताया कि बेसमेंट सहित दो फ्लोर का नक्शा पास था, लेकिन तीसरा तल पूरी तरह अवैध है। यह भी

बिल्डिंग मालिक का पक्ष- कमर्शियल एक्टिविटी किराएदारों की, हमारा दोष नहीं

बताया कि 20 मीटर बेसमेंट पास था और 134 मीटर बनाया गया है।

दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद विधित प्राधिकारी ने आदेश को रिजर्व कर लिया है। ऐसे में अब यह एक-दो दिन बाद साफ होगा की बिल्डिंग पर बुलडोजर चलेगा या या शमन मानचित्र पास करने की कार्यवाही की जाएगी।

यह मामला 22 जून को हुए उस भीषण अग्निकांड से जुड़ा है, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी।

राहत : शहीद पथ पर वाहनों की लंबी लाइन, घंटाघर के सामने डेढ़ फीट जलभराव

राजधानी में सीजन की सबसे अधिक 27.2 एमएम बारिश

आज अधिकतम तापमान 31 और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। पिछले 24 घंटे में रिकॉर्ड 18.4 मिमी बारिश हुई। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया है कि 12 जुलाई तक लखनऊ में रोज बारिश होगी। 10 जुलाई को भारी बारिश की आशंका है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में लगातार दूसरे दिन गुरुवार को भी मानसून की बारिश हुई। शहर के सरोजनी नगर, पीजीआई और चारबाग इलाके में दोपहर 12:36 बजे बारिश शुरू हुई। पीजआई इलाके में एक झोंके की बारिश के बाद से काले बादल छाए हुए हैं। गोमतीनगर में 1 बजे बारिश शुरू हुई। आज सीजन की सबसे अधिक 27.2 मिलीमीटर बारिश हुई है। आधे घंटे की बारिश के बाद चौक में घंटाघर के सामने डेढ़ फीट जलभराव हो गया। इससे वहां खड़ी बाइक के पहिये डूब गए। उधर, हजरतगंज स्थित उद्यान विभाग के कार्यालय में प्लास्टर टूटकर गिर गया। इसमें कोई

आधे घंटे की बारिश के बाद चौक इलाके में जलभराव हो गया। घंटाघर के सामने दुकानों पर खड़ी बाइक के पहिया डूब गए।

कर्मचारी घायल नहीं हुआ, लेकिन एक कंप्यूटर मॉनिटर टूट गया। शहीद पथ पर शाम को वाहनों की लंबी कतार लग गई।

पेड़ की डाल गिरने से 33 केवी लाइन फाल्ट, घंटों गुल रही बिजली

बारिश के दौरान ग्राम भतोइया के पास सड़क किनारे स्थित विद्युत पोल पर एक पेड़ की डाल गिरने से 33 केवी लाइन में फाल्ट आ गया। इससे नगर पंचायत विद्युत उपकेंद्र से जुड़े मिर्जागंज, तहसील, मानखेड़ा, चांदपुर, गल्लामंडी समेत कई फीडरों की बिजली आपूर्ति अचानक ठप हो गई।

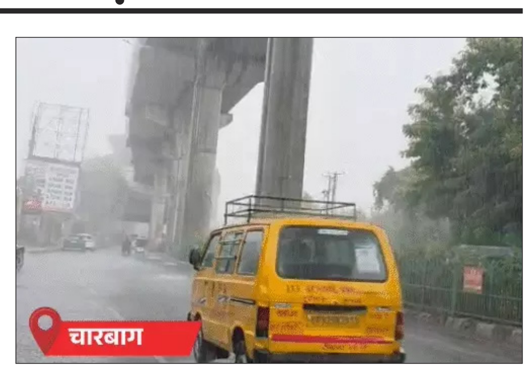

केसरी खेड़ा में नाले में बह रहा सिल्ट

पार्षद दल के उपनेता देवेन्द्र सिंह यादव (जीतू) ने बताया कि केसरी खेड़ा वार्ड स्थित विक्रम नगर और सूर्य नगर में नाला सफाई के बाद सिल्ट नहीं उठाया गया था। बारिश में सिल्ट बहकर फिर से नाले में गिर गया। कई बार शिकायत और अनुरोध के बावजूद नाले से निकाली गई सिल्ट अब तक नहीं हटाई गई। उन्होंने कहा कि लगातार हो रही बारिश के कारण वही सिल्ट दोबारा नाले में बहकर जा रही है, जिससे सफाई अभियान का उद्देश्य विफल हो रहा है। इससे जल निकासी की समस्या भी बढ़ सकती है और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों से तत्काल सिल्ट उठवाने और प्रभावी सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि बारिश के मौसम में जलभराव और गंदगी की समस्या से लोगों को राहत मिल सके।

एक दर्जन से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे

इन विभिन्न आयोजनों में देश-प्रदेश के ख्याति प्राप्त कलाकारों तथा स्थानीय कलाकारों को प्रदर्शन का अवसर प्रदान किया जायेगा-जयवीर सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। वित्तीय वर्ष 2026-27 में महापुरुषों की वर्षगांठ, राष्ट्रीय पर्वों, आस्था स्थलों पर आयोजित समारोहों ऐतिहासिक घटनाओं के आयोजन के अवसर पर संस्कृति विभाग, उ0प्र0 द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों आयोजन की कार्ययोजना तैयार की गयी है। इसका मुख्य उद्देश्य जनमानस में आस्था स्थलों, राष्ट्रीय पर्वों तथा ऐतिहासिक घटनाओं के बारे में जानकारी देना है। साथ ही स्थानीय कलाकारों को समारोहों से जोड़कर उन्हें मानदेय के माध्यम से आर्थिक लाभ भी पहुंचाना है। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि संस्कृति विभाग द्वारा तैयार की गयी कार्ययोजना के तहत राजधानी लखनऊ में एक दर्जन सांस्कृतिक कार्यक्रम विभिन्न अवसरों पर कराये जायेंगे। कार्य योजना के तहत बाजनगर शहीद स्मारक स्थल पर काकोरी टेªन एक्शन की वर्षगांठ पर 09 अगस्त, 2026 को आयोजित समारोह के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम कराये जायेंगे। इसी प्रकार काकोरी में ही 19 दिसम्बर, 2026 को काकोरी बलिदान दिवस के अवसर पर तथा अक्टूबर में गिरजा देवी समारोह के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। पर्यटन मंत्री ने बताया कि दिसम्बर, 2026 में अटल जयंती के अवसर पर उनकी स्मृति में सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया जायेगा। इसके अलावा 24-25 जुलाई, 2026 को राष्ट्रीय सेमिनार संगोष्ठी, रिवरवैली सिविलाइजेशन ऑफ उ0प्र0 एवं आर्कियोलॉजिकल कल्चरल हेरिटेज टूरिज्म प्रोजेक्ट के तहत पुरातत्व निदेशालय के सौजन्य से कार्यक्रम होंगे। इसी प्रकार 11 नवम्बर, 2026 को जनजातीय उत्सव बिरसा मुण्डा की जयन्ती पर उ0प्र0 लोक एवं जनजाति संस्थान की ओर से कार्यक्रम आयोजित कराये जायेंगे।

महिला की मौत पर जेई सस्पेंड, 2 संविदाकर्मी बर्खास्त

अलीगढ़ में ट्रांसफार्मर की चपेट में आने से हुई थी महिला की मौत

सख्ती

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। जिले के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के श्यामनगर में जलभराव के दौरान ट्रांसफॉर्मर से फैले करंट की चपेट में आने से हुई महिला की मौत के मामले में बिजली विभाग ने सख्त कदम उठाया है। विभागीय जांच में प्रथम दृष्टया लापरवाही सामने आने के बाद अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई है। बिजली विभाग ने अवर अभियंता (JE) फैज तैमूरी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, जबकि उपकेंद्र पर तैनात दो संविदा कर्मचारियों अनिल कुमार और श्यामसुंदर शर्मा की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। इसके अलावा जिम्मेदार अधिकारियों पर भी कार्रवाई का शिकंजा कसा गया है। विभाग ने एसडीओ अहमद हुसैन

और अधिशासी अभियंता (XEN) प्रणव गुप्ता के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करते हुए आरोप पत्र जारी किया है। यह घटना 8 जुलाई को सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के श्यामनगर इलाके में हुई थी। भारी बारिश के बाद क्षेत्र में जलभराव हो गया था। इसी दौरान घंटाघर उपकेंद्र से संचालित 11 केवीए रेलवे रोड फीडर के अंतर्गत लगे 400 केवीए क्षमता के वितरण ट्रांसफॉर्मर के आसपास करंट फैल गया। इसी रास्ते से गुजर रही 53 वर्षीय रजनी इसकी चपेट में आ गईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी फैल गई थी। लोगों ने बिजली विभाग की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए लापरवाही का आरोप लगाया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए बिजली विभाग ने तत्काल जांच के आदेश दिए थे। जांच में सामने आया कि ट्रांसफॉर्मर क्षेत्र में सुरक्षा मानकों को लेकर लापरवाही बरती गई थी। अधीक्षण अभियंता अंशुमान यादव ने बताया कि घटना की जांच कराई गई, जिसमें स्थानीय स्तर पर तैनात कर्मचारियों की लापरवाही सामने आई। इसके बाद नियमों के तहत कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में जेई फैज तैमूरी को निलंबित किया गया है। वहीं, उपकेंद्र पर तैनात दो संविदा कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि मामले में जिम्मेदारी तय करने के लिए उच्च अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की गई। इसके बाद एसडीओ अहमद हुसैन और एक्सईएन प्रणव गुप्ता के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। बारिश के मौसम में बिजली से जुड़े हादसों को रोकने के लिए विभाग ने जिलेभर में सुरक्षा अभियान शुरू कर दिया है।

जलभराव में करंट फैलने से हुई थी महिला की मौत

घटना सिविल लाइंस क्षेत्र के श्यामनगर इलाके की है। 8 जुलाई को हुई भारी बारिश के बाद क्षेत्र में जलभराव हो गया था। इसी दौरान घंटाघर उपकेंद्र से संचालित 11 केवीए रेलवे रोड फीडर के अंतर्गत श्यामनगर के पास लगे 400 केवीए क्षमता के वितरण ट्रांसफॉर्मर के आसपास करंट फैल गया। इसी दौरान वहां से गुजर रही 53 वर्षीय रजनी करंट की चपेट में आ गईं। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में लोगों में आक्रोश फैल गया था। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए थे।

> **"** मामले में सिर्फ कर्मचारियों पर ही कार्रवाई नहीं हुई, बल्कि उच्च अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की गई। विभाग ने एसडीओ अहमद हुसैन और एक्सईएन प्रणव गुप्ता के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है। दोनों अधिकारियों को आरोप पत्र जारी कर जवाब मांगा गया है। विभाग का कहना है कि जिम्मेदारी तय कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जांच में लापरवाही मिलने पर जेई पर गिरी गाज

घटना के बाद बिजली विभाग ने मामले की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए थे। जांच में स्थानीय बिजली कर्मचारियों की लापरवाही सामने आई। अधीक्षण अभियंता अंशुमान यादव ने बताया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर ड्यूटी में लापरवाही के दोषी पाए जाने पर जेई फैज तैमूरी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वहीं, सब-स्टेशन पर तैनात संविदा कर्मचारियों अनिल कुमार और श्यामसुंदर शर्मा की सेवाएं भी समाप्त कर दी गई हैं।

मानसून को लेकर बिजली विभाग अलर्ट

अधीक्षण अभियंता अंशुमान यादव ने बताया कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए जिलेभर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जा रही है। बारिश के मौसम को देखते हुए सभी ट्रांसफॉर्मरों का विशेष निरीक्षण कराया जा रहा है।

राज्यपाल के आगमन को लेकर तैयारियां तेज

29 जुलाई के दीक्षांत समारोह की व्यवस्थाओं का डीएम ने लिया जायजा

तमसा संकेत, एजेंसी

बलिया। बलिया के जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय (जेएनसीयू) में 29 जुलाई 2026 को होने वाले दीक्षांत समारोह की तैयारियां तेज हो गई हैं। इस समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल के संभावित आगमन को देखते हुए प्रशासन सक्रिय हो गया है। गुरुवार को जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह, पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह और मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज ने विश्वविद्यालय परिसर का दौरा किया। उन्होंने समारोह स्थल, मंच व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, पार्किंग, यातायात व्यवस्था, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, हेलीपैड स्थल और साफ-सफाई सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी तैयारियां समयबद्ध और उच्च गुणवत्ता के साथ

पूरी की जानी चाहिए, ताकि दीक्षांत समारोह सुरक्षित, व्यवस्थित और गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। निरीक्षण के बाद, कुलपति कक्ष में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य कोषाधिकारी एवं वित्त अधिकारी आनंद दुबे, कुलसचिव एस.एल.पाल, चीफ प्रॉक्टर डॉ. प्रियंका सिंह, निदेशक शैक्षणिक डॉ. पुष्पा मिश्रा सहित विश्वविद्यालय, पुलिस और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

फास्ट न्यूज

इटावा में चलती ट्रेन से गिरा यात्री

इटावा। इटावा में एक यात्री बुधवार रात करीब 10 बजे चलती ट्रेन से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार, उन्नाव जिले के आसीवन थाना क्षेत्र के खरगौरा गांव निवासी सुनील कुमार बाजपेई पुत्र श्याम मनोहर बाजपेई बुधवार को ट्रेन से इटावा आ रहे थे।

स्कूल वाहनों पर कार्रवाई जारी

उन्नाव। उन्नाव में स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग द्वारा 'मिशन सेफ फ्यूचर' अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को भी निजी स्कूल वाहनों के खिलाफ सघन जांच अभियान चलाया गया। यात्रीकर अधिकारी विनय पाण्डेय और संजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में जिले के विभिन्न मार्गों पर स्कूल वैन और अन्य छात्र परिवहन वाहनों की जांच की गई। इस दौरान बिना परमिट, बिना फिटनेस और नियमों के विपरीत संचालित वाहनों पर कड़ी कार्रवाई की गई।

11 जुलाई से जनसंख्या दिवस अभियान

हरदोई। हरदोई में बढ़ती आबादी पर नियंत्रण और मातृ-शिशु स्वास्थ्य में सुधार के उद्देश्य से 11 से 18 जुलाई तक विशेष 'विश्व जनसंख्या दिवस अभियान' चलाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. भवनाथ पांडे ने बताया कि जनपद में परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता बढ़ी है। सीएमओ के अनुसार, बीते वित्तीय वर्ष 2025-26 में 3 लाख से अधिक महिलाओं ने विभिन्न गर्भनिरोधक साधनों को अपनाया है।

हाईवे पर 2-3 फीट तक पानी भरा

लगातार हो रही बारिश की वजह से शहर के कई हिस्सों में भी जलभराव

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में गुरुवार को सुबह से हो रही बारिश की वजह से हाईवे के करीब 4-5 किमी के हिस्से में 2 से 3 फीट तक पानी भर गया है। जिसकी वजह से वाहनों को यहां से गुजरने में दिक्कत हो रही है। इसके अलावा शहर के लो लाइन एरिया में भी बारिश की वजह से जलभराव के हालात हैं।

मुरादाबाद में गुरुवार को सुबह से ही बारिश हो रही है। जिसकी वजह से दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर लोधीपुर क्रॉस करने के बाद हाईवे के करीब 2 किमी हिस्से पर जलभराव है। यहां हाईवे पर दो से तीन फीट तक पानी भरा हुआ है। इसके बाद अमरोहा जिले में एंट्री करते ही हाईवे पर कई जगहों पर जलभराव के हालात हैं।

हाईवे पर हो रहे इस जलभराव की वजह से वाहन यहां बंद हो जा रहे हैं। कई बार यहां वाहनों के बंद होने की वजह से जाम के हालात भी पैदा हो रहे हैं।

दूसरी ओर शहर में लाइनपार इलाके का बारिश की वजह से बुरा हाल है। बारिश की वजह से लाइनपार के तमाम मोहल्लों के अलावा शहर में बुध बाजार, झब्बू का नाला, पीतल बस्ती समेत दूसरे कई हिस्सों में दो से तीन फीट तक पानी सड़कों पर जमा है।

पीएचसी कालूखेड़ा में मिलीं गंभीर खामियां

उन्नाव में एसडीएम पुरवा के औचक निरीक्षण में अधीक्षक अनुपस्थित, व्यवस्थाएं खराब

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिले के असोहा विकासखंड स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) कालूखेड़ा की व्यवस्थाओं की पोल गुरुवार को औचक निरीक्षण में खुल गई। पुरवा के उपजिलाधिकारी (एसडीएम) प्रमेश श्रीवास्तव ने दोपहर में अस्पताल पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अस्पताल में कई गंभीर कमियां सामने आईं। निरीक्षण के समय अस्पताल की अधीक्षक डॉ. अलीफा अल्वी अनुपस्थित मिलीं। एसडीएम ने अस्पताल के विभिन्न विभागों का निरीक्षण कर मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, बिजली, दवाओं और सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही सामने आई। ड्यूटी रोस्टर को लेकर कर्मचारियों ने बताया कि अस्पताल में स्टाफ की

कमी के कारण सभी कर्मचारियों को प्रतिदिन ड्यूटी करनी पड़ती है। रविवार के अवकाश के बदले शुक्रवार को ड्यूटी समायोजित की जाती है। एसडीएम ने कर्मचारियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए इस व्यवस्था की जानकारी उच्चाधिकारियों को भेजने की बात कही, ताकि आवश्यक सुधार किया जा सके। निरीक्षण में मरीजों और तीमारदारों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था भी नदारद मिली। अस्पताल परिसर में कहीं भी आरओ सिस्टम स्थापित नहीं पाया गया। इसके कारण मरीजों और उनके परिजनों को पीने के पानी के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ओपीडी पंजिका में मोबाइल नंबर दर्ज नहीं

निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने ओपीडी पंजिका की जांच की। पंजिका में 9 जुलाई को 24 मरीजों का पंजीकरण दर्ज मिला, लेकिन मरीजों के मोबाइल नंबर अंकित नहीं किए गए थे। इस पर एसडीएम ने कर्मचारियों को निर्देश दिए कि भविष्य में मरीजों के नाम और पते के साथ उनका मोबाइल नंबर भी अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए, ताकि जरूरत पड़ने पर मरीजों से संपर्क किया जा सके। एसडीएम ने अस्पताल में तैनात कर्मचारियों की संख्या की भी जानकारी ली।

अग्निशमन यंत्र नहीं, 52 जरूरी दवाएं स्टॉक से बाहर

अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था की जांच के दौरान एक बड़ी कमी सामने आई। यहां अग्नि सुरक्षा के लिए एक भी अग्निशमन यंत्र उपलब्ध नहीं मिला। एसडीएम ने इस पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। दवाओं की उपलब्धता की समीक्षा में विभागीय पोर्टल के माध्यम से जानकारी मिली कि अस्पताल में कुल 152 प्रकार की दवाएं उपलब्ध हैं, जबकि 52 प्रकार की आवश्यक दवाएं स्टॉक में नहीं हैं।

टूटा फर्श और खराब प्रकाश व्यवस्था पर जताई नाराजगी

निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की स्थिति भी संतोषजनक नहीं मिली। कई जगह फर्श टूटी हुई पाई गई। अधिकारियों ने आशंका जताई कि इससे कीड़े निकलने और संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है। इसके अलावा अस्पताल में प्रकाश व्यवस्था भी खराब मिली। कर्मचारियों ने बताया कि अस्पताल परिसर के आसपास विद्युत ट्रांसफार्मर नहीं होने के कारण बिजली आपूर्ति प्रभावित रहती है।

निलंबित सर्जन डॉ. रोहित प्रसाद की अलमारी सील

बाराबंकी जिला अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने जांच शुरू की

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी जिला अस्पताल के निलंबित वरिष्ठ परामर्शदाता (सर्जन) डॉ. रोहित प्रसाद के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। उनके ओपीडी कक्ष की अलमारी और अभिलेख सील कर दिए गए। यह कार्रवाई महानिदेशक स्वास्थ्य के निर्देश पर गठित चार सदस्यीय चिकित्सकों की समिति ने की है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. जयप्रकाश मौर्य की अध्यक्षता में गठित इस समिति ने डॉ. प्रसाद के कक्ष की तलाशी ली। समिति ने आवश्यक अभिलेखों का परीक्षण करने के बाद संबंधित रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने के लिए

अलमारी को सील कर दिया। यह पूरी कार्रवाई विभागीय जांच के तहत की गई है। डॉ. रोहित प्रसाद को चिकित्सा अनुभाग-2 द्वारा जारी शासनादेश के तहत हाल ही में तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया था। उन पर समय पर ओपीडी में न बैठने, ऑपरेशन थिएटर में अनुपस्थित रहने, मरीजों और अस्पताल कर्मियों से अभद्र व्यवहार करने तथा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना करने जैसे गंभीर आरोप हैं। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता भी देय होगा, और उनकी उपस्थिति इसी कार्यालय में दर्ज की जाएगी। शासन ने इस मामले की विभागीय जांच के लिए निदेशक (पैरामेडिकल), चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को जांच अधिकारी नियुक्त किया है।

जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट शासन को सौंपी जाएगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई निर्धारित की जाएगी। अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष के हस्ताक्षर से जारी इस कार्रवाई के बाद स्वास्थ्य विभाग में हलचल है। अब सभी की निगाहें विभागीय जांच की रिपोर्ट और उसके आधार पर होने वाली अगली कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

4 युवतियों को शादी का झांसा देकर भगाया

चार थानों की पुलिस ने अलग-अलग दर्ज की एफआईआर

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में शादी का झांसा देकर चार युवतियों को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले सामने आए हैं। पिहानी, बेहटा गोकुल और बेनीगंज कोतवाली क्षेत्रों में हुई इन घटनाओं को लेकर पुलिस ने 8 जुलाई को संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, सभी मामलों में युवतियों को शादी का झांसा देकर अपने साथ ले जाने के आरोप लगाए गए हैं। परिजनों की शिकायत के आधार पर नामजद आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पिहानी कोतवाली क्षेत्र में भी दो अलग-अलग घटनाएं सामने आई हैं। पहले मामले में 4 जुलाई की सुबह एक 18 वर्षीय युवती को गांव के बाहर से ले जाने का आरोप लगाया गया है। परिजनों का आरोप है कि थाना हरियावां क्षेत्र के बेलाकपूरपुर निवासी इन्दर पुत्र शारदा शादी का झांसा देकर युवती को अपने साथ ले गया। इस

मामले में 8 जुलाई को दोपहर 3:44 बजे रिपोर्ट दर्ज की गई। वहीं, पिहानी क्षेत्र के दूसरे मामले में एक 20 वर्षीय युवती 7 जुलाई को दोपहर करीब 2 बजे बैंक में केवाईसी कराने की बात कहकर घर से निकली थी। युवती के पास मोबाइल फोन और पहचान पत्र भी था। जब वह काफी समय तक घर वापस नहीं लौटी और उसका मोबाइल बंद मिला तो परिजनों ने तलाश शुरू की। जांच के दौरान शादी का झांसा देकर उसे भगाए जाने की आशंका जताई गई। इसके बाद 8 जुलाई को पिहानी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। चारों मामलों में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि युवतियों की तलाश के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और आरोपों की जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बेहटा गोकुल में 18 वर्षीय युवती लापता, युवक पर आरोप

पहला मामला बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र का है। यहां 6 जुलाई को एक 18 वर्षीय युवती घर से अचानक गायब हो गई थी। परिजनों के अनुसार, युवती घर में रखे करीब 50 हजार रुपये लेकर निकली थी। काफी तलाश के बाद परिजनों को जानकारी मिली कि गांव का ही युवक अंकित पुत्र प्रेमपाल उसे शादी का झांसा देकर अपने साथ ले गया है। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मामले में 8 जुलाई को दोपहर करीब 12:18 बजे रिपोर्ट दर्ज की गई।

बेनीगंज में दुकान से सामान लेने गई युवती नहीं लौटी

दूसरा मामला बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र का है। यहां 5 जुलाई को एक 18 वर्षीय युवती दुकान से सामान लेने गई थी, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने आसपास तलाश की तो पता चला कि कस्बा बेनीगंज के कुर्सी रोड निवासी अंकित सोनी उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने 8 जुलाई को मुकदमा दर्ज कर लिया।

चर्चा : पसमांदा समाज ने किया स्वागत, बोले- महिलाओं और गैर-मुस्लिमों को मिलेगा प्रतिनिधित्व

यूपी में नए वक्फ बोर्ड के गठन पर चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश में वक्फ (संशोधन) अधिनियम-2025 के तहत राज्य वक्फ बोर्ड के पुनर्गठन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। नए कानून के प्रावधानों के अनुसार, गठित होने वाले वक्फ बोर्ड में पिछड़े पसमांदा मुस्लिम समाज, महिलाओं और अन्य वर्गों को प्रतिनिधित्व दिए जाने की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही बोर्ड में दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को नामित किए जाने का भी प्रावधान है। सरकार के इस कदम का ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज ने स्वागत किया है। महाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसीम राईन ने गुरुवार को कहा कि वक्फ संपत्तियों का लाभ लंबे समय से समाज के जरूरतमंद और वंचित वर्गों तक नहीं पहुंच पाया है। राईन

ने वक्फ बोर्ड में महिलाओं और दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल किए जाने के प्रावधान का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इससे बोर्ड में समान भागीदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि नए कानून के लागू होने के बाद पसमांदा समाज को उसका उचित अधिकार मिल सकेगा और वक्फ बोर्ड अपने मूल उद्देश्य के अनुरूप काम कर पाएगा। राईन ने कहा कि केंद्र सरकार ने पसमांदा समाज के लोगों को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, एमएलसी, मंत्री और विभिन्न आयोगों के अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारियां देकर सम्मान और प्रतिनिधित्व दिया है। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड के पुनर्गठन से भी समाज के वंचित वर्गों को निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी मिलेगी और वक्फ संपत्तियों के बेहतर उपयोग का रास्ता साफ होगा।

पसमांदा समाज को मिलेगा अधिकार- वसीम राईन

वसीम राईन ने कहा कि अब तक वक्फ संपत्तियों पर कथित रूप से अशराफ वर्ग का प्रभाव रहा है, जबकि इन संपत्तियों का उद्देश्य गरीब और पिछड़े पसमांदा मुसलमानों के हितों को पूरा करना होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि नए कानून के तहत प्रतिनिधित्व मिलने से वक्फ बोर्ड की कार्यप्रणाली में बदलाव आएगा और समाज के उन वर्गों की भागीदारी बढ़ेगी, जो लंबे समय से इससे दूर रहे हैं।

विपक्ष पर लगाया राजनीतिक इस्तेमाल का आरोप

वसीम राईन ने समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि इन दलों ने वर्षों तक पसमांदा समाज का केवल राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बिना वोट बैंक की राजनीति के पसमांदा समाज को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया है।

> **सरकार का कहना है कि इससे वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनेगा। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष दानिश अंसारी ने मध्य प्रदेश में लागू नए वक्फ बोर्ड मॉडल का समर्थन किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि उत्तर प्रदेश में भी इसी तर्ज पर बोर्ड का गठन किया जा सकता है।**

मवेशियों से भरे कंटेनर पर हंगामा

बजरंग दल और पशु सप्लायर आमने-सामने, हाईवे पर जाम लगा, पुलिस ने संभाली स्थिति

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। कानपुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गदनखेड़ा बाईपास पर गुरुवार दोपहर उस समय हंगामा हो गया, जब बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मवेशियों से भरे एक कंटेनर को रोक लिया। यह घटना दोपहर करीब दो बजे की बताई जा रही है। कंटेनर रोके जाने के बाद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं और पशु सप्लायर पक्ष के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। इससे मौके पर काफी देर तक तनाव का माहौल बना रहा और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। हाईवे पर अचानक कंटेनर रुक जाने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। राहगीरों और वाहन चालकों को जाम के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी सी.के. मिश्रा पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर

पहुंचे। उन्होंने स्थिति को नियंत्रित किया और भीड़ को समझाकर शांत कराया। पुलिस ने मवेशियों से भरे कंटेनर सहित संबंधित वाहनों को अपने कब्जे में लेकर चौकी पहुंचाया। सके बाद पुलिस ने दोनों पक्षों से अलग-अलग पूछताछ शुरू की।

पुलिस कंटेनर में लदे मवेशियों से जुड़े दस्तावेजों और उनके परिवहन संबंधी अभिलेखों की गहन जांच कर रही है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पशुओं का परिवहन नियमानुसार किया जा रहा था या नहीं। कोतवाली प्रभारी सी.के. मिश्रा ने बताया कि मवेशियों से भरे कंटेनर को लेकर सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है और परिवहन से जुड़े सभी दस्तावेजों की जांच की जा रही है। मिश्रा ने आगे बताया कि जांच पूरी होने के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी तथ्यों का सत्यापन किया जा रहा है।

सम्पादकीय

मनमानी का नतीजा

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध विराम पर बनी सहमति कायम हुए 20 दिन भी नहीं हुए कि दोनों देश न केवल फिर से आमने-सामने आ गए, बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी कह दिया कि मेरे हिसाब से अब युद्ध विराम खत्म हो चुका है। उन्होंने यह कहने में भी संकोच नहीं किया कि ईरान का नेतृत्व करने वाले बुरे एवं बीमार मानसिकता के हिंसक लोग हैं और अब उनसे बात करना समय की बर्बादी है। विश्व समुदाय के लिए इससे बुरी खबर और कोई नहीं हो सकती, क्योंकि यह टकराव तेल और गैस के दामों में उछाल लाने का कारण बनेगा।

अमेरिका और ईरान इसलिए फिर टकराव की राह पर आए, क्योंकि ईरान ने होर्मुज समुद्री मार्ग से गुजर रहे तीन जहाजों पर यह कहकर हमला कर दिया कि वे तय रास्ते से नहीं निकल रहे थे और उन्होंने उसकी चेतावनी की भी अनदेखी की। ईरान की इस कार्रवाई से चिढ़े अमेरिका ने न केवल उसके कई ठिकानों पर बमबारी की, बल्कि उसे दी गई तेल बिक्री की छूट भी खत्म कर दी। इसके जवाब में ईरान ने भी खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइलें दागीं। यह सब उस समय हो रहा है, जब ईरान अपने सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की रस्में पूरी करने में लगा हुआ है। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि जैसे ईरान होर्मुज पर आधिपत्य जमाने की बेजा कोशिश कर रहा है, वैसे ही अमेरिकी राष्ट्रपति भी दुनिया को यह दिखाने को आतुर हैं कि वे ईरान को अपनी शर्तों पर झुकने के लिए बाध्य करके रहेंगे। ट्रंप इसीलिए मनमानी कर पा रहे हैं, क्योंकि वे अमेरिकी संसद द्वारा युद्ध रोकने के प्रस्ताव को तब तक खारिज करने में समर्थ हैं, जब तक दोनों सदन दो तिहाई बहुमत से राष्ट्रपति के वीटो अधिकार के खिलाफ प्रस्ताव न पारित कर दें। ट्रंप के पास यह तर्क भी है कि युद्ध विराम हो जाने के कारण 60 दिन की वह समय सीमा समाप्त हो गई, जिसके तहत कहीं युद्ध छेड़ने के लिए संसद की औपचारिक मंजूरी की आवश्यकता होती है। साफ है कि ट्रंप अपनी शक्तियों का मनमाना इस्तेमाल कर रहे हैं। सच यह भी है कि होर्मुज को लेकर ईरान भी मनमानी कर रहा है, क्योंकि वह खुद को पश्चिम एशिया का नीति-नियंता यानी दादा साबित करना चाहता है। अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता कराने वाले पाकिस्तान एवं कतर जैसे देश इसलिए असहाय और निरुपाय हैं, क्योंकि उनकी अमेरिका के सामने कोई हैसियत नहीं। पाकिस्तान तो संदेशों का आदान-प्रदान करने के अलावा और कुछ कर ही नहीं सकता। एक नाजुक युद्धविराम के खत्म होने की कगार पर पहुंचने से हैरानी नहीं, लेकिन यह विश्व अर्थव्यवस्था के लिए खतरे की घंटी ही है। इससे अमेरिका, ईरान के साथ पुरी दुनिया को नुकसान होगा।

आख़िर चढ़ावा चोरी और वक्फ चोरी में फर्क क्यों करता है विपक्ष

> जहाँ तक उपर्युक्त प्रश्न का संबंध है कि ऐसे दलों की मान्यता रद्द होनी चाहिए भारत में किसी राजनीतिक दल की मान्यता केवल उसके विचारए बयान या किसी मुद्दे पर अलग रुख अपनाने के कारण रद्द नहीं की जा सकती।

किसी भी लोकतंत्र की सफलता राजनीतिक दलों की नेकनीयती और दूरदर्शिता पर निर्भर करती है लेकिन जब राजनीतिक दल ही दोहरीए दोमुंहीए पक्षपाती बातचीत करने लगें तो नीतियां शर्माएंगी और इनके द्वारा बनाए हुए कानून वकीलों के स्वर्ग बन जाएंगे। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत भी इन्हीं विडंबना भरी सियासी परिस्थितियों से दो चार होता आया है।

जहां धर्मनिरपेक्षताए सामाजिक न्यायए राष्ट्रभाषाए सुशासनए मौलिक सनातन संस्कृति और विकास आदि पर हमारे दलों की मतभिन्नताओं की कीमत भारतवासी चुकाते आए हैं।वहींए आजकल भारत के सियासी गलियारों में एक प्रश्न बहुत तेजी से चर्चितध्वायरल हो रहा है कि आख़िर श्चढ़ावा चोरीश् और श्वक्फ चोरीश् में विपक्ष फर्क क्यों करता हैघ्

यूँ तो यह एक राजनीतिक प्रश्न हैए और इसका उत्तर किसी एक तथ्य से नहीं दिया जा सकता क्योंकि सभी विपक्षी दलों का रुख एक जैसा नहीं होता। फिर भी जनता का एक बड़ा धड़ा जो देखए सुनए कह रहा हैए उसका सार.सत्य यह है कि कांग्रेसए आपए झामुमोए सपाए बसपाए राजदए टीएमसीए एनसीपीए शिवसेनाए नेशनल कांफ्रेंसए डीएमके जैसे विपक्षी दल या उनके नेता मंदिरों में चढ़ावे की चोरी और वक्फ संपत्तियों से जुड़े कथित अनियमितताओं पर जो अलग.अलग स्तर की प्रतिक्रिया देते हैंए वह राजनीतिक मर्यादाओं के प्रतिकूल टिप्पणी प्रतीत होती है।

दल उन मुद्दों पर अधिक मुखर होते हैं जिन्हें वे अपने समर्थकों के लिए अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं। भाजपा नीत एनडीए भी जब विपक्ष में होता है तो दुविधा भरी बातें करता है और सत्ता में आते ही अपने ही एजेंडे से या तो पलट जाता है या फिर टालमटोल वाला रवैया अपनाता है। देश में सबसे ज्यादा समय तक सत्ता में रही कांग्रेस भी विपक्ष में आते ही अपनी ही नीतियों पर कभी अंगुली उठाती है तो कभी मुद्दों को भटकाती है।

अलग.अलग मामलों में उपलब्ध साक्ष्यए जांच की स्थिति और कानूनी संदर्भ भिन्न हो सकते हैं। लेकिन राजनीतिक दलों के विवेक होने चाहिए कि वह मानवता व प्राणिमात्र के कल्याण के लिए कानूनी विरोधाभास पर सवालिया निशान उठाएं और तथ्यों के साथ मतलबी खिलवाड़ कर रही नौकरशाही और कारोबारियों की सांठगांठ वाली मानसिकता को बेनकाब करें। वहींए सिर्फ वोटबैंक के खातिर जनता के बीच मतभेद बढ़ाने वाले अनर्गल बातें फैलाने से परहेज करेंए ताकि सामाजिक सद्भावए राष्ट्रीय एकता व अखंडता को मजबूती मिले। भले ही दल किसी मुद्दे पर बोलने या न बोलने का निर्णय संभावित राजनीतिक प्रभाव को ध्यान में रखकर भी लेते हैं लेकिन यह परिपाटी गलत है। नीतिगत मुद्दों पर उनकी सियासी दुविधा से भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि और हित दोनों प्रभावित होते हैं। भारत के राजनीतिक दलों में गैरकानूनी बातों की हिमायत करने और कार्रवाई से बच जाने का जो फैशन बढ़ा हैए वह शर्मनाक स्थिति है। आखिर आप एक ही जैसे मुद्दे पर दोहरा स्टैंड कैसे ले सकते हैंघ् क्या वैचारिक रूप से अनपढ़ और औसत दर्जे के लोग इस सियासी मतलब परस्ती को समझ पाएंगेए शायद नहीं! इसलिए सभी दलों को कानूनी रूप से वैचारिक नजरिये के लिए जिम्मेदार ठहराने की जरूरत है।

विभिन्न दल धार्मिक संस्थाओं और उनसे जुड़े मामलों को अलग.अलग नजरिए से देखते हैं जो धर्मनिरपेक्षता की मूल अवधारणा के प्रतिकूल है। यह नीतिगत रूप से अनैतिक है। जातिए धर्मए भाषाए क्षेत्र और लिंग जैसे विभेद पर स्पष्ट राष्ट्रीय नीतिए अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुकूल बननी चाहिए और सभी राजनीतिक दलों के लिए बाध्यकारी होनी चाहिए। इससे भटकने पर उनकी मान्यता रद्द होनी चाहिएए क्योंकि राष्ट्रीय दलों और क्षेत्रीय दलों की सियासत के लिए भारत और भारतीयों के सुख.शांति से समझौता नहीं किया जा सकता है। ऐसे में यदि किसी दल का रवैया वास्तव में समान प्रकृति के मामलों में असंगत दिखाई देता हैए तो उसके आलोचक इसे दोहरा मापदंड कह सकते हैं। वहीं संबंधित दल अपने रुख के समर्थन में अलग तर्क दे सकते हैं। हालांकिए लोकतांत्रिक और संवैधानिक दृष्टि से आदर्श स्थिति यही है कि मंदिरए वक्फए गुरुद्वाराए चर्च या किसी भी धार्मिक संस्था की संपत्ति या धन से जुड़े अपराधों पर कानून समान रूप से लागू हो और सभी राजनीतिक दल एक समान नैतिक मानदंड अपनाएँ। किसी भी मामले का मूल्यांकन उसके तथ्यों और जांच के आधार पर होना चाहिएए न कि संबंधित धार्मिक संस्था के आधार पर।

वास्तव मेंए चढ़ावा चोरी और वक्फ चोरी में विपक्षी फर्क को मुख्यतः राजनीतिक धारणा और दलों के सार्वजनिक रुख से जुड़ा करार दिया जाता हैए जिसका कोई एक सार्वभौमिक उत्तर नहीं है। ऐसे में यदि किसी विपक्षी दल ने मंदिरों में चढ़ावे की चोरी की कड़ी निंदा की होए लेकिन वक्फ संपत्तियों में कथित अनियमित-ताओं या अवैध कब्जों पर अपेक्षाकृत कम मुखर रुख अपनाया हो ;या इसके उलटद्धए तो उसके आलोचक इसे दोहरा मापदंड कह सकते हैं। वहीं संबंधित दल यह तर्क दे सकते हैं कि दोनों मामलों के तथ्यए कानूनी स्थिति या उपलब्ध साक्ष्य अलग हैंए इसलिए उनकी प्रतिक्रिया भी अलग रही। यह अनुचित है। राजनीतिक दलों को ऐसी छूट नहीं मिलनी चाहिए।

सिद्धांततः सभी राजनीतिक दलों से यह अपेक्षा की जाती है कि चाहे मंदिरों के चढ़ावे की चोरी होए या वक्फ संपत्तियों में कथित गड़बड़ी होए या फिर किसी अन्य धार्मिक संस्था की संपत्ति से जुड़ा अपराधकृसभी मामलों में कानून समान रूप से लागू हो। राजनीतिक दल अपराध की प्रकृति के आधार पर प्रतिक्रिया देंए न कि संबंधित धार्मिक संस्था के आधार पर। ऐसे मामलों की जांच निष्पक्ष हो और दोषी पाए जाने वालों दलों व उनके सम्बन्धित नेताओं पर समान कानूनी कार्रवाई हो।

यदि किसी दल का रुख वास्तव में अलग.अलग धार्मिक संस्थाओं के मामलों में असंगत दिखाई देता हैए तो यह राजनीतिक आलोचना का विषय हो सकता है। लेकिन यह निष्कर्ष कि ष्पूरा विपक्षष् या ष्सभी विपक्षी दलष् ऐसा करते हैंए बिना प्रत्येक दल के बयानों और आचरण के प्रमाण के नहीं निकाला जा सकता।

कमलेश पांडेय

आगमवाणी का मिलना हमारा सौभाग्य

रिद्धि और सिद्धि , शक्ति और भक्ति ,ज्ञान और ध्यान , प्रीत और जीत , आशा और अभय , सम्मान और समृद्धि, आरोग्य और सौभाग्य आदि- आदि हमारे जीवन में उपरोक्त सभी विशिष्ट युग्मों का समावेश कराने वाले संतों का मिलना दुर्लभ हैं । वह उनकी वाणी का मिलना श्रेयस्कर हैं । जीवन में सुनना भी एक अच्छा कार्य हैं । हम प्रशिक्षक की बात सुनें, प्रवचन सुनें और अन्य कोई प्रेरणादायक बात आदि हो तो उसे सुनें । इस प्रकार श्रुति भी मानों विशेष कार्य हैं । श्रोतेन्द्रिय का बहुत महत्व हैं, जो प्राणी सुनने वाला होता हैं वही जीव पंचेन्द्रिय प्राणी होता हैं । श्रोत्र हमें प्राप्त हैं और सुनने से हमे अनेक जानकारियां मिल सकती हैं । कलात्मक बोलना तो एक कला है ही पर किसी को सुनना भी वैसे ही एक असरदार कला है। जो बोलने की कला से कठिन है पर बोलने की कला से कहीं ज्यादा प्रभाव पैदा करने वाली यह कला हैं। जब कोई व्यक्ति किसी को पूरे ध्यान से सुनता है तो बोलने वाला खुलने लगता है। उसे लगता है कि उसकी बात व्यर्थ नहीं जा रही है अपितु श्रोता के दिलो-दिमाग पर असर कर रही है। सुनने की कला में विशेष बात है कि बोलने वाला को लगना चाहिए उसकी बात के भाव समझे जा रहे हैं श्रोता उसकी बात से जुड़ रहा है। साधु - साध्वीयों द्वारा दिया जाने वाला आध्यात्मिक प्रवचन एक पवित्र कार्य हैं । यह पुनीत आर्षवाणी जब कानों द्वारा सुनी जाती हैं तो मानों कान धन्य हो जातें हैं । साधु त्यागी हों और साथ में ज्ञानी भी हो तो बहुत अच्छी बात हो सकती हैं । चरित्रात्माओं के मुख से आगमवाणी का श्रवण करने का अवसर मिले तो यह सौभाग्य की बात होती हैं । साधु- साध्वीयों, समणीयों और हम गृहस्थों को बहुश्रुत होना एक बात हैं और बहुश्रुत होने के साथ - साथ यदि प्रस्तुति की कला भी अच्छी हो जाए तो उसके साथ अच्छी उपलब्धि जुड़ जाती हैं । कई ऐसे भी होते हैं जिनके पास ज्ञान तो बहुत होता हैं परन्तु उनसे प्रस्तुति ठीक प्रकार से नहीं हो पाती हैं ।

> प्रदीप छाजेड़

जलवायु परिवर्तन के...

कुमार कृष्णन

एथेनॉल क्रांति : ऊर्जा की राह चुनौतियों की छाया

भारत ऊर्जा सुरक्षाए पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में जिस परिवर्तनकारी अभियान को आगे बढ़ा रहा हैए उसमें एथेनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम ;एथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्रामद्ध एक महत्वपूर्ण पहल बनकर उभरा है। कुछ वर्ष पहले तक पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने की चर्चा केवल नीति दस्तावेजों तक सीमित थी लेकिन आज यह देश की ऊर्जा रणनीतिए कृषि अर्थव्यवस्था और औद्योगिक निवेश का प्रमुख आधार बन चुकी है। सरकार का लक्ष्य आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करनाए कार्बन उत्सर्जन घटाना और गन्ना तथा अन्य कृषि उत्पादों के लिए वैकल्पिक बाजार तैयार करना है। पहली दृष्टि में यह नीति बहुआयामी लाभ देती दिखाई देती हैए किंतु इसके साथ कुछ ऐसे प्रश्न भी जुड़े हैं जिन्हें अनदेखा करना भविष्य में गंभीर आर्थिकए सामाजिक और पर्यावरणीय चुनौतियाँ पैदा कर सकता है।

भारत अपनी पेट्रोलियम आवश्य-कताओं का अधिकांश हिस्सा आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार.चढ़ाव का सीधा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। ऐसे में एथेनॉल सम्मिश्रण विदेशी मुद्रा की बचत और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना

गया। गन्ने के रसए शीरेए टूटे चावलए मक्का तथा अन्य कृषि उत्पादों से बनने वाला एथेनॉल पेट्रोल के साथ मिलकर जीवाश्म ईंधन की खपत कम करता है। इससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आने की भी उम्मीद की जाती है।

इस नीति का दूसरा बड़ा पक्ष किसानों से जुड़ा है। लंबे समय तक चीनी उद्योग गन्ना किसानों के बकाया भुगतान की समस्या से जूझता रहा। एथेनॉल उत्पादन ने चीनी मिलों को आय का नया स्रोत दियाए जिससे किसानों के भुगतान में अपेक्षाकृत सुधार हुआ। विशेषकर उत्तर प्रदेशए महाराष्ट्रए कर्नाटक और बिहार जैसे राज्यों में अनेक चीनी मिलों ने एथेनॉल उत्पादन क्षमता बढ़ाई है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में निवेश और रोजगार के नए अवसर भी बने हैं। सरकार ने वर्ष 2025.26 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल सम्मिश्रण का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति भी हुई है। अनेक राज्यों में नई डिस्टिलरियाँ स्थापित हो रही हैं और निजी निवेश बढ़ रहा है। यह परिवर्तन केवल ऊर्जा क्षेत्र तक सीमित नहीं हैए बल्कि कृषि और उद्योग के बीच नए संबंध भी स्थापित कर रहा है।

लेकिन हर बड़ी क्रांति अपने साथ कुछ जटिल प्रश्न भी लेकर आती है। सबसे पहला प्रश्न खाद्य सुरक्षा का है। यदि एथेनॉल उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर मक्काए गन्ना और अन्य खाद्यान्नों का उपयोग होने लगेए तो इसका असर खाद्य उपलब्धता और कीमतों पर पड़ सकता है। दुनिया के कई देशों का अनुभव बताता है कि जब कृषि उत्पादन का बड़ा हिस्सा ईंधन उद्योग की ओर मुड़ता हैए तब खाद्य बाजार में अस्थिरता पैदा होने लगती है।

भारत जैसे देश में यह चिंता और भी महत्वपूर्ण हैए जहाँ अभी भी बड़ी आबादी खाद्य सुरक्षा योजनाओं पर निर्भर है। यदि खाद्यान्न का उपयोग ईंधन उत्पादन में तेजी से बढ़ता है तो गरीब उपभोक्ताओं पर महँगाई का अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। इसलिए ऊर्जा सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखना सबसे बड़ी नीति चुनौती होगी।

दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न जल संसाधनों का है। भारत में एथेनॉल उत्पादन का सबसे बड़ा आधार गन्ना हैए जबकि गन्ना देश की सबसे अधिक पानी खपत करने वाली फसलों में शामिल है। ऐसे समय में जब महाराष्ट्रए कर्नाटकए बिहार और उत्तर भारत के अनेक हिस्से भूजल संकट का सामना कर रहे हैंए तब गन्ने के उत्पादन को लगातार बढ़ाना दीर्घकालिक दृष्टि से कितना टिकाऊ होगाए इस पर गंभीर विचार आवश्यक है।

जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। ऐसे में केवल एथेनॉल उत्पादन बढ़ाने की दृष्टि से जल.गहन खेती को प्रोत्साहित करना भविष्य में पर्यावरणीय संकट को और गहरा कर सकता है। इसलिए एथेनॉल नीति का मूल्यांकन केवल उत्पादन और निवेश के आधार पर नहींए बल्कि जलए भूमि और प्राकृतिक संसाधनों पर उसके प्रभाव के आधार पर भी किया जाना चाहिए।

अगले भाग में एथेनॉल नीति के पर्यावरणीयए आर्थिकए खाद्य सुरक्षाए भूमि उपयोगए जैव विविधता तथा अंतरराष्ट्रीय अनुभवों का विश्लेषण किया जाएगा।

एथेनॉल नीति का तीसरा महत्वपूर्ण पक्ष भूमि उपयोग और कृषि विविधता से जुड़ा है।

शाहजहांपुर में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना से संवर रहा पारंपरिक शिल्पियों का भविष्य

उत्तर प्रदेश के ग्रामीण और शहरी अंचलों में सदियों से चली आ रही पारंपरिक कारीगरी को पुनर्जीवित करने और स्थानीय हुनरमंदों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार की कल्याणकारी नीतियां अत्यंत दूरगामी और प्रभावी साबित हो रही हैं। जिला स्तर पर इन योजनाओं का क्रियान्वयन स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देने के साथ-साथ उन परिवारों के जीवन में समृद्धि का नया सवेरा लेकर आया है, जो लंबे समय से आधुनिक संसाधनों के अभाव में हाशिए पर थे। शाहजहांपुर जनपद में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के सफल संचालन से हजारों शिल्पकारों और श्रमिकों को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर उनके हुनर को एक नया मंच प्रदान किया गया है, जिससे उनका खोया हुआ सामाजिक और आर्थिक सम्मान वापस लौट रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान शासन की कल्याणकारी सोच और जिला प्रशासन के कुशल प्रबंधन व जमीनी प्रयासों के परिणामस्वरूप शाहज-हांपुर जिले में 1,050 पारंपरिक कारीगरों को सीधे तौर पर लाभान्वित किया गया। यह संख्या मात्र एक सरकारी आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह उन परिवारों की आत्मनि-र्भरता की जीवंत कहानी है जो पीढ़ियों से बढ़ई, दर्जी, टोकरी बुनकर, नाई, सुनार, लोहार, कुम्हार, हलवाई, मोची और राजमिस्त्री जैसे पारंपरिक हस्तशिल्प से जुड़े हुए हैं। इन हुनरमंदों को आधुनिकता के इस युग में बाजार की तीव्र प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए तैयार किया गया है, ताकि उनका रोजगार न केवल सुरक्षित रहे बल्कि उसमें निरंतर वृद्धि भी सुनिश्चित हो सके। योजना की संवेदन-शीलता और प्रभावशीलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान शाहज-हांपुर जनपद में लगभग चार हजार उत्साही और जरूरतमंद युवाओं तथा कारीगरों ने अपने आवेदन प्रस्तुत किए थे। प्रशासन द्वारा पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ पात्र अभ्यर्थियों का चयन किया गया, जिसके बाद उन्हें उनकी रुचि और पारिवारिक व्यवसाय के अनुरूप विशिष्ट और निशुल्क कौशल उन्नयन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान लाभार्थियों के रहने और भोजन की समुचित व्यवस्था की गई ताकि वे बिना किसी मानसिक और आर्थिक तनाव के आधुनिक विधाओं को सीख सकें और अपने हुनर को और अधिक निखार सकें। कौशल सुधार की इस प्रक्रिया को पूरा करने के बाद सभी चयनित लाभार्थियों के बैंक खातों में चार हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई। इस वित्तीय सहायता का मुख्य उद्देश्य यह था कि प्रशिक्षण अवधि के दौरान उनके दैनिक रोजगार में हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई हो सके और वे बिना किसी वित्तीय बाधा के अपने काम को दोबारा शुरू कर सकें। इसके अतिरिक्त, सबसे महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रशासन द्वारा लाभार्थियों को उनके व्यवसाय के अनुसार आधुनिक और उच्च गुणवत्ता वाली टूलकिट पूरी तरह मुफ्त उपलब्ध कराई गई, जो उनके पुराने और घिसे-पिटे औजारों की जगह नए युग के तकनीकी उपकरणों का समावेश सुनिश्चित करती है। दर्जी ट्रेड से जुड़े लाभार्थियों को जहां आधुनिक सिलाई मशीनों के साथ-साथ उत्तम श्रेणी की कैंची, सटीक माप फीता और अन्य आवश्यक सहायक उपकरण दिए गए, वहीं नाई, धोबी, हलवाई, राजमिस्त्री, लोहार और बढ़ई जैसे पारंपरिक व्यवसायों के शिल्पियों को भी अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किट प्रदान की गई।

जरा हटके

मार्च 2026 में ...

रामस्वरूप रावतसरे

सड़क सुरक्षा अभियान बना जीवन रक्षा का मजबूत आधार

उत्तर प्रदेश में विकास की गति जितनी तेज हुई है, उतनी ही तेजी से सुरक्षित और सुगम यातायात व्यवस्था की आवश्यकता भी बढ़ी है। सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, उद्योग और सामाजिक जीवन को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी हैं। ऐसे में सड़क सुरक्षा केवल यातायात प्रबंधन का विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन और परिवार की सुरक्षा से जुड़ा दायित्व है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कानून के प्रभावी प्रवर्तन, आधुनिक निगरानी व्यवस्था और जनजागरूकता के माध्यम से सुरक्षित यातायात संस्कृति विकसित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से सामने आने लगे हैं। सड़क दुर्घटनाएं केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं होतीं, बल्कि वे अनेक परिवारों की खुशियां छीन लेती हैं। एक दुर्घटना किसी व्यक्ति का जीवन ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार के भविष्य को भी प्रभावित करती है। तेज रफ्तार, यातायात नियमों की अनदेखी और लापरवाही से वाहन चलाना लंबे समय से सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण रहे हैं। इसलिए दुर्घटनाओं को रोकने के लिए केवल नियम बनाना पर्याप्त नहीं, बल्कि उनका प्रभावी पालन सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगीआदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में परिवहन

विभाग द्वारा मार्च, अप्रैल एवं मई 2026 के दौरान सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक प्रवर्तन अभियान संचालित किए गए। ओवर स्पीडिंग पर प्रभावी नियंत्रण, यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई तथा 'जीरो टॉलरेंस' नीति के अंतर्गत निरंतर निगरानी ने सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया। मोटर यान अधिनियम की धारा 19 के अंतर्गत दोषी चालकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए कुल 1,246 मामलों में नोटिस जारी किए गए। इनमें मार्च में 434, अप्रैल में 380 तथा मई में 432 मामले शामिल रहे। इसी अवधि में 797 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए, जबकि गंभीर मामलों में 20 ड्राइविंग लाइसेंस पूर्णतः निरस्त किए गए। यह स्पष्ट संकेत है कि प्रदेश सरकार सड़क सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही के प्रति सख्त रुख अपना रही है। इन प्रवर्तन अभियानों का सकारात्मक प्रभाव सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। मार्च 2026 में प्रदेश में 1,876 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गई थीं, जिनमें 2,008 लोगों की मृत्यु हुई। अप्रैल माह में दुर्घटनाओं की संख्या घटकर 1,697 तथा मृतकों की संख्या 1,838 रह गई। वहीं मई 2026 में उल्लेखनीय सुधार दर्ज करते हुए सड़क दुर्घटनाओं की संख्या घटकर 1,004 और जनहानि घटकर 1,111 रह गई। यह लगातार दर्ज हो रही गिरावट इस बात का प्रमाण है कि प्रभावी प्रवर्तन, सतत निगरानी और जनसहभागिता के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। मई माह के दौरान विशेष रूप से चलाए गए सघन चेकिंग अभियान और नियमों के प्रभावी अनुपालन ने सड़क सुरक्षा को नई मजबूती प्रदान की। इसी अवधि में सर्वाधिक 353 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यातायात नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध विभाग ने पूरी गंभीरता के साथ कार्रवाई की। कठोर प्रवर्तन व्यवस्था ने वाहन चालकों में नियमों के पालन के प्रति जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत किया है।

प्रदेश में हिट एंड रन जैसी गंभीर घटनाओं में भी उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। मार्च में जहां ऐसे 529 मामले सामने आए थे, वहीं अप्रैल में यह संख्या घटकर 468 रह गई। मई माह में यह आंकड़ा और कम होकर 275 तक पहुंच गया। तीन माह की अवधि में कुल 1,272 हिट एंड रन मामलों का रिकॉर्ड यह दर्शाता है कि लगातार निगरानी और सख्त कार्रवाई के कारण ऐसे मामलों में भी कमी आने लगी है। यह सुधार केवल कानून के प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम नहीं, बल्कि नागरिकों में बढ़ती सड़क सुरक्षा जागरूकता का भी संकेत है। प्रदेश सरकार का उद्देश्य केवल नियमों का पालन कराना नहीं, बल्कि ऐसी सड़क सुरक्षा संस्कृति विकसित करना है, जिसमें प्रत्येक नागरिक स्वयं भी यातायात नियमों के पालन को अपनी जिम्मेदारी समझे। इसी उद्देश्य से प्रवर्तन अभियानों के साथ-साथ जागरूकता कार्यक्रमों को भी निरंतर गति दी जा रही है, ताकि सड़क सुरक्षा एक जनआंदोलन का स्वरूप ग्रहण कर सके। परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए सघन प्रवर्तन अभियान, नियमित निगरानी तथा आधुनिक तकनीक आधारित नियंत्रण प्रणाली को विस्तार दिया है। सरकार का लक्ष्य सड़क दुर्घटनाओं और जनहानि में निरंतर कमी लाते हुए प्रदेश की सड़कों को प्रत्येक नागरिक के लिए अधिक सुरक्षित बनाना है। उत्तर प्रदेश में सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में प्राप्त ये परिणाम इस बात का प्रमाण हैं कि प्रभावी कानून प्रवर्तन, जवाबदेह प्रशासन और जनसहभागिता के समन्वित प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं।

मां-पत्नी के सामने दुकानदार की हत्या

गोरखपुर में ट्रैक्टर खड़ा करने के विवाद में सीने में 10 बार चाकू घोंपा

हमला

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में बुधवार शाम 6 बजे मां और पत्नी के सामने ही किराना दुकानदार की चाकू से ताबड़तोड़ वार करके हत्या कर दी। मां हमलावरों से मिन्नत करती रहीं। बेटे को छोड़ दो। हाथ जोड़ती रहीं। लेकिन, हमलावरों ने उन्हें धक्का देकर किनारे कर दिया। पत्नी भी हमलावरों से पति को बचाने पहुंची। हमलावरों को पकड़ा, लेकिन तब तक ताबड़तोड़ 10 चाकू दुकानदार के सीने में मार दिए। वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। हमलावर मौके से भाग गए। परिवार घायल दुकानदार को बीआरडी मेडिकल कॉलेज ले गए। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। एसपी सिटी निमिष पाटिल मौके पर पहुंचे।

अमरनाथ गुप्ता, मृतक

दुकानदार के बेटे से वारदात की जानकारी ली। कुछ ही देर में पुलिस ने चाकू मारने के आरोपी गब्बर चौहान को गिरफ्तार कर लिया। मामला जिला मुख्यालय से 15 किमी दूर गुलरिहा के टिकरिया गांव का है। गिरमिट चौराहा निवासी अमरनाथ गुप्ता (56) किराना दुकानदार थे। परिवार में मां जानकी देवी, पत्नी गुजराती देवी, दो बेटे ऋषिकेश गुप्ता ,शिवम गुप्ता और बेटी प्रिया गुप्ता हैं। उनके घर से सटे ही आरोपी अवधेश चौहान उर्फ गब्बर की जमीन थी। इस जमीन पर दोनों पक्ष दावा कर रहा था। इस जमीन को लेकर पिछले 5 साल से विवाद कोर्ट में चल रहा है। बुधवार शाम अमरनाथ ने उसी जमीन के सामने ट्रैक्टर खड़ा कर दिया। इसी बात को लेकर गब्बर से कहासुनी शुरू हो गई। गब्बर ने जमीन को अपना बताकर ट्रैक्टर खड़ा करने से मना किया। विवाद बढ़ने पर अवधेश चौहान उर्फ गब्बर चौहान ने चाकू से अमरनाथ पर हमला कर दिया। गब्बर ने अमरनाथ के सीने और पेट में चाकू से करीब 10 वार कर दिए। उस समय अमरनाथ गुप्ता की मां जानकी देवी मौके पर ही थीं। उन्होंने विवाद रोकने की कोशिश की। उन्हें धक्का देकर गिरा दिया। वह भी चोटिल हो गईं। बेटे पर हमला होते देखकर वह चीख-चीखकर रोने लगीं। उनकी आवाज सुनकर पत्नी गुजराती देवी भी दुकान से बाहर निकल आईं। हमलावरों से मिन्नत की। तब तक हमलावर वारदात को अंजाम देकर भाग गए। अमरनाथ गुप्ता के बड़े बेटे ऋषिकेश गुप्ता ने बताया कि, अवधेश ने जमीन के विवाद में हमारे पिता पर धारदार हथियार से कई बार वार किया। जानलेवा हमला किया और हत्या कर दिया। उन्होंने बताया कि इसमें मुकुंद चौहान, अनिकेत सूरत, भाने, शैलेश जायसवाल और अन्य लोग शामिल थे। शाम 6 बजे पिता घर के बाहर बैठे थे। तभी अचानक ये लोग आकर हमला कर दिए। बचाव करने आई 85 साल की दादी पर भी हमला किया गया। जिससे उन्हें कई जगह गंभीर चोटें

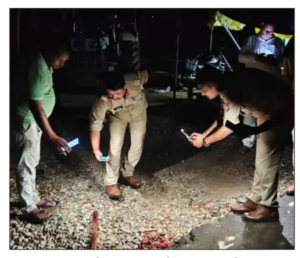

हत्या की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

घटना स्थल पर मृतक के बेटे शिवम से जानकारी लेते एसपी सिटी और सीओ गोरखनाथ

लगी हैं आरोपी जबरजस्ती पीड़ितों की जमीन में निर्माण करवा रहा था।

मेरठ एसएसपी ने प्रदर्शनकारियों को थप्पड़ मारे, वैन में घुसकर पीटा

वकील ने जान देने की कोशिश की, पुलिस ने लाठियां बरसाईं

- पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शन कर रहे लोगों को कलेक्ट्रेट से भगाया।
- एसएसपी अविनाश पांडेय ने पुलिस वैन में घुसकर प्रदर्शनकारियों पर थप्पड़ बरसाए।

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में 16 मई को हुई छात्रा की हत्या को लेकर बुधवार को बड़ी संख्या में लोग कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करने पहुंचे। प्रदर्शनकारी डीएम को ज्ञापन सौंपना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने कलेक्ट्रेट का मेन गेट बंद कर दिया। करीब 3 घंटे तक लोग कलेक्ट्रेट के बाहर बैठकर प्रदर्शन करते रहे। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन वो लोग नहीं

हटे। सूचना पर एसएसपी अविनाश पांडेय भी पहुंचे। पहले उन्होंने प्रदर्शन कर रहे लोगों को थप्पड़ मारे। फिर पुलिस वैन में घुसकर लोगों को पीटा। इसके बाद शाम करीब 4:30 बजे पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। 50-60 लोगों को हिरासत में ले लिया। इस बीच, एक वकील ने पुलिस वैन में गमछे का फंदा बनाकर उससे लटकने की कोशिश की। पुलिस का कहना है प्रदर्शन के चलते जाम लग गया था। इससे लोगों को परेशानी हो रही थी। इसीलिए धरना समाप्त कराया गया। बीए में पढ़ने वाली ललिता गौतम की 16 मई को हत्या कर दी गई थी। छात्रा को न्याय दिलाने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट के बाहर बुधवार को दलित महापंचायत थी। कांग्रेस नेता हेमंत प्रधान, दलित समाज और कई सामाजिक संगठनों के लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे। प्रदर्शनकारियों को पहले से ज्ञापन देने की इजाजत थी। लेकिन, इसी बीच मेरठ के अलावा नोएडा, गाजियाबाद और आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए। भीड़ बढ़ने पर पुलिस ने कलेक्ट्रेट का मुख्य गेट बंद कर दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारी गेट के बाहर सड़क पर बैठ गए और धरना शुरू कर दिया। इससे सड़क जाम हो गई। सूचना पर एसपी देहात अभिजीत कुमार और एसपी ट्रैफिक राकेश कुमार मौके पर पहुंचे।

फास्ट न्यूज

बेकाबू कंटेनर दुकानों में घुसा

इगलास। अलीगढ़ के इगलास कस्बे में बुधवार देर रात एक तेज रफ्तार कंटेनर ने पहले सड़क किनारे खड़ी दो कारों को टक्कर मार दी। इसके बाद चालक कंटेनर लेकर भागने लगा और अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी दो दुकानों में जा घुसा। हादसा रात करीब 12 बजे सासनी रोड पर हुआ। गनीमत रही कि घटना देर रात हुई, इसलिए कोई जनहानि नहीं हुई। कार मालिकों ने कंटेनर का पीछा किया तो चालक ने रफ्तार और बढ़ा दी।

सुलतानपुर में छह माह से बिजली गुल

सुलतानपुर। सुलतानपुर जिले के धनपतगंज विकास क्षेत्र स्थित कलखरा गांव में पिछले छह माह से बिजली आपूर्ति ठप है। इस समस्या से परेशान होकर ग्रामीण गुरुवार दोपहर एक बजे जिला मुख्यालय पहुंचे और जिलाधिकारी से शिकायत की। यह गांव गोसाईगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। ग्रामीणों का आरोप है कि उनकी पूरी बस्ती में छह महीने से बिजली आपूर्ति बाधित है, जिसके कारण पूरा गांव अंधेरे में रहने को मजबूर है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर समस्या पर ध्यान न देने का आरोप लगाया है।

अलीगढ़ में 24 घंटे में 62 मिमी बारिश

अलीगढ़। अलीगढ़ में बारिश ने नगर निगम के ड्रेनेज सिस्टम और दावों की पूरी तरह हवा निकाल दी है। महज कुछ घंटों की बरसात में शहर के कुछ इलाके तालाब में तब्दील हो गया। पॉश कॉलोनियों से लेकर निचले इलाकों तक हर तरफ सिर्फ पानी ही पानी नजर आया। नगर निगम हर साल नाला सफाई के नाम पर करोड़ों रुपए पानी की तरह बहा देता है, लेकिन हकीकत यह है।

स्नान करते समय डूब रहे युवक को एनडीआरएफ ने बचाया

बिहार से वाराणसी घूमने आया था युवक, उसे बचाने के लिए गंगा में कूद गए जवान

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के गंगा नदी के दांडी घाट पर गुरुवार की सुबह एक युवक गंगा में स्नान कर रहा था। इसी दौरान वह अनियंत्रित होने लगा और गहरे पानी में पहुंच गया। धीरे धीरे वह डूबने लगा, बचाने के लिए वह जोर-जोर से चिल्लाने लगा। लोगों ने वहां मौजूद एनडी-आरएफ की टीम को बताया। पहले से ही घाट पर पिकेट और पेट्रोलिंग ड्यूटी के दौरान 11वीं वाहिनी एनडीआरएफ की टीम ने गंगा में छलांग लगा दी। एनडीआरएफ टीम ने बचावकर्मी ने तेजी और तत्परता से व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालकर नदी तट पर पहुंचाया। बचाए गए व्यक्ति की पहचान रिशुराज (20 वर्ष), पुत्र सतीश कुमार पटेल, निवासी नालंदा, बिहार के रूप में हुई है। एनडीआरएफ के उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि समय रहते किए गए

इस त्वरित बचाव अभियान के कारण युवक की जान बचाई जा सकी। इस घटना पर एनडीआरएफ के उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा ने आमजन से अपील की है कि वे नदियों एवं अन्य जलाशयों में स्नान अथवा अन्य गतिविधियों के दौरान जल सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। उन्होंने लोगों से गहरे पानी में जाने से बचने, चेतावनी संकेतों पर ध्यान देने तथा तैनात सुरक्षा कर्मियों के निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जागरूकता एवं सतर्कता ही डूबने की घटनाओं को रोकने का सबसे प्रभावी उपाय है।

कानपुर में गवर्नर ने कहा-ससुराल में यूट्यूब से देखकर डिश बनाना सही नहीं, टॉपर को मेडल बांटे

' आईएएस बनो या अध्यापक, सबसे पहले एक्सपर्ट मां बनो'

तमसा संकेत, एजेंसी

सजनपुर। कानपुर में उत्तर प्रदेश की गवर्नर आनंदीबेन पटेल ने महिलाओं से कहा कि वह आत्मनिर्भर जरूर बनें, उसके पहले एक्सपर्ट मां बनें। खाना पकाना सीखें। गवर्नर ने कहा कि बदलाव बचपन से शुरू होता है। हम लोग तो पानी पी गए और कपड़े धो डाले। अब छोटे बच्चों को पानी बचाना है। जल संरक्षण के लिए घर में बच्चों के लिए नीचे पानी की टंकी रखें। जिससे बच्चे खुद पानी पिएं और मेहमानों को भी पिलाएं। उन्होंने कहा मैं तो सीख रही हूं। गवर्नर ने कहा- आईएएस बनो या अध्यापक, सबसे पहले एक एक्सपर्ट मां बनो। घर में जो खाना बनता है

वह सबको बनाना आना चाहिए। जब बेटियां शादी होकर ससुराल जाती हैं तो यूट्यूब से देखकर डिश बनाती हैं।

ऐसा नहीं होना चाहिए। उनको खाना बनाना आना चाहिए। राज्यपाल ने यह बातें गुरुवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्व विद्यालय (सीएसजेएमयू) में 41 वां दीक्षांत समारोह में कहीं। उन्होंने दोपहर करीब 12 बजे समारोह की शुरुआत की। उसके बाद विश्व विद्यालय से

शिल्पाचार्य पी बिजली को मानद उपाधि मिली

दीक्षांत में परंपरागत कच्छ चर्म शिल्प के विशिष्ट शिल्पाचार्य, और उद्यमी अंचल पी. बिजलानी को मानद उपाधि दी गई। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर एआईसी-टीई के चेयरमैन प्रो. योगेश कुमार सिंह और। विशिष्ट अतिथि के तौर पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और राज्य मंत्री रजनी तिवारी भी मौजूद हैं।

पिछले शैक्षिक सत्र में पास हुए एक लाख छात्रों की डिग्री डिजीलॉकर में भेजीं। एक सेकंड में ही छात्रों की डिग्री उनके पास पहुंच गईं।

टॉपर प्रिया यादव को चांसलर समेत 5 मेडल मिले

विश्व विद्यालय की टॉपर प्रिया यादव को कुलाधिपति स्वर्ण (सर्वोच्च पदक) समेत पांच पदक मिले। प्रिया यादव ने विवि कैंपस के स्कूल आफ एडवांस्ड एग्रीकल्चर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी से बीएससी (कृषि) में सर्वोच्च अंक पाए हैं। मेडल देते समय गवर्नर ने इन्हें शुभकामाएं दीं। एमएससी माइक्रोबायोलॉजी के स्टूडेंट रोहित कुमार राय को कुलाधिपति रजत समेत तीन पदक सौंपा गया। गवर्नर ने इन्हें भी शुभकानाएं दीं।

दरोगा के सामने छीना मोबाइल, बोलीं- देखना कहां भिजवाती हूं, औकात भूल जाओगे

चौकी में भाजपा की कोषाध्यक्ष ने युवक को जड़ा थप्पड़

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर में भाजपा की महिला कोषाध्यक्ष पूजा कसौधन ने पुलिस चौकी के अदंर एक युवक को थप्पड़ मार दिया। उससे कहने लगीं कि तुम देखते जाओ, तुमको मैं कहां भिजवाती हूं। ऐसा सबक सिखाऊंगी कि अपनी औकात भूल जाओगे। यह घटना पुलिस चौकी में दरोगा के सामने हुई। दरोगा महिला नेत्री के साथ आए बेटे से बात कर रहे थे, तभी कोने में खड़े युवक से महिला नेता ने उसका मोबाइल मांगा। उससे मोबाइल का लॉक खुलवाया। इसके बाद जबतक युवक कुडछ बोला पाता, तब तक थप्पड़ जड़ दिया। थप्पड़ मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद गुरुवार सुबह मामला भाजपा

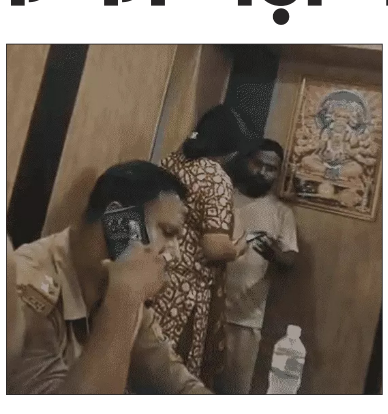

नेता पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। पूरा मामला शाहगंज चौकी का है। कोतवाली नगर के पल्टू का पुरवा (आदर्श नगर, घोसियाना) के रहने वाले अरुण कुमार कोरी ने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है। अरुण ने बताया कि पिछले कई साल से मुरारी दास गली स्थित सहारा ट्रेडिंग कंपनी के मालिक हर्षित बरनवाल के यहां नौकरी कर रहे हैं।

अरुण के मुताबिक, अपनी जान बचाने के लिए अरुण भागकर पास ही स्थित शाहगंज पुलिस चौकी के परिसर में घुस गए। इसके बाद भाजपा नेता भी अपने बेटे के साथ चौकी में आ गईं। वीडियो में दिख रहा है कि चौकी प्रभारी अविनाश चंद्र के सामने ही आरोपी पूजा कसौधन ने अरुण को अपशब्द कहने लगीं। वो कहने लगीं कि मैं लगातार देख रही हूं कि ये मेरा पीछा कर रहा है। कान में मोबाइल लगाकर पीछे पीछे आ रहा है।

बोलीं- हर्षित के यहां नौकरी करना छोड़ दो

अरुण का आरोप है कि दोनों मां बेटे ने उनपर दबाव बनाते हुए कहा- तुम्हारी जाति वालों का दिमाग खराब हो गया है। तुम्हें कितनी बार कहा है कि हर्षित बेनीवाल के यहां नौकरी करना छोड़ दो। लेकिन तुम लोग मानते नहीं हो। जब अरुण ने इस बात का विरोध किया तो रौनक और पूजा कसौधन ने बीच चौराहे पर ही उनके साथ मारपीट शुरू कर दी।

जिला बदर आरोपी गिरफ्तार, 16 मुकदमे दर्ज

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में पुलिस ने एक जिला बदर अपराधी को गुरुवार सुबह चार बजे गिरफ्तार किया है। आरोपी पवन कुमार भारती उर्फ कल्लू राइडर पर विभिन्न थानों में 16 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। उसे छह महीने पहले जिले से बाहर किया गया था, लेकिन वह चोरी-छिपे शहर में लौट आया था। पुलिस ने उसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। अपर जिलाधिकारी न्यायिक ने पवन कुमार भारती उर्फ कल्लू राइडर को 7 जून को छह महीने के लिए जिला बदर घोषित किया था।

पुलिस ने उसे जिले की सीमा के बाहर छोड़ा था और सख्त हिदायत दी थी कि समयावधि पूरी होने से पहले वह शाहजहांपुर की सीमा में प्रवेश न करे। चौक कोतवाली क्षेत्र के नवादा इंदेपुर निवासी पवन कुमार भारती का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। वह क्षेत्र में लोगों के साथ मारपीट करने और दहशत फैलाने के लिए जाना जाता था।

घर में फंदे से लटका मिला किशोरी का शव

सुल्तानपुर में थाने से एक किमी दूर की घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुलतानपुर जिले के कुड़वार थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव में गुरुवार दोपहर एक 17 वर्षीय किशोरी का शव घर के अंदर फंदे से लटका मिला। घटना के समय किशोरी घर में अकेली थी। यह घटना कुड़वार थाने से लगभग एक किलोमीटर दूर हुई। सूचना मिलते ही कुड़वार पुलिस, सीओ सिटी और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच जारी है। जानकारी के अनुसार, भगवानपुर निवासी गोकुल प्रजापति की पुत्री कल्पना (17) अपने घर में थी। उसकी मां घर के बाहर बर्तन धो रही थीं और छोटा भाई बाहर खेल रहा

था। कुछ देर बाद जब मां घर के अंदर पहुंचीं, तो उन्होंने कल्पना को कमरे में फंदे से लटका देखा। उनकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। कल्पना ने हाईस्कूल तक पढ़ाई की थी और उसके बाद घर पर ही रहती थी। उसके पिता मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं, जबकि मां गृहिणी हैं। परिवार में कल्पना के अलावा उसकी बहन सोनिया (13) और भाई दिलीप (12) भी हैं।

आरोप : कानपुर में 1 साल से लिवइन में थे दोनों, मरने के बाद भी लिपटे मिले, परिजन बोले- मर्डर हुआ

2 बच्चों की मां ने बॉयफ्रेंड संग सुसाइड किया

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में 2 बच्चों की मां ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ सुसाइड कर लिया। मंगलवार रात करीब 9 बजे दोनों ट्रेन के आगे लेग गए। मरने के बाद भी दोनों के शव एक-दूसरे से लिपटे मिले। महिला अपनी दोनों बेटियों को ससुराल में छोड़ कर एक साल से प्रेमी के संग रह रही थी। गुरुवार सुबह 10 बजे मृतक प्रेमी के परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। परिजनों ने महिला के परिजनों पर हत्या करने का आरोप लगाया। घटना घाटमपुर रेवले स्टेशन के पास की है। पिता रोहत ने बताया कि एक साल पहले सुमित पानीपत में काम करने गया था।

वहां उसकी मुलाकात बारा दौलतपुर रहने वाले छोटे से हुई थी। इस दौरान सुमित के प्रेम संबंध छोटे

सुमित, मृतक

ज्योति, मृतका

की पत्नी ज्योति से हो गए थे। इसके बाद ज्योति अपनी दो बेटियों को छोड़कर सुमित के साथ गांव आ गई थी। दोनों एक साल से घर से अलग एक साथ रह रहे थे। पोस्टमार्टम हाउस में गुरुवार को सुमित के तो परिजन आ गए, लेकिन ज्योति के घर से कोई नहीं आया।

भाई ब्रह्मप्रकाश ने बताया कि उन्होंने ज्योति के घरवालों को फोन किया तो उसके परिवार वालों ने उसकी शक्ल देखने से भी इंकार कर दिया। उन्हें धमकाया भी, कि शव लेकर गांव आओं तब तुम्हें देखेंगे।

चित्रकूट एक्सप्रेस गुजरने के बाद दोनों का शव मिला

मंगलवार देर रात सुमित और ज्योति के शव कानपुर-बांदा रेलवे लाइन पर घाटमपुर स्टेशन के करीब पड़े मिले। स्टेशन मास्टर सुधीर सक्सेना ने बताया कि रात 8 बजे चित्रकूट एक्सप्रेस गुजरी थी। उसके कुछ देर बाद दोनों का शव पड़ा मिला। इसके बाद स्टेशन मास्टर ने यह जानकारी जीआरपी को दी। जीआरपी ने दोनों को शवों को बुधवार को पोस्टमार्टम भिजवाया था, परिजनों के न होने के कारण शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका था। गुरुवार को मृतक सुमित के परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे, लेकिन ज्योति के घर से कोई नहीं आया।

पानीपत में हुई थी सुमित और ज्योति की मुलाकात

रेऊना थानाक्षेत्र के गौरा गांव निवासी रोहित कुमार पेशे से किसान हैं। उनके परिवार में पत्नी राजलक्ष्मी तीन बेटे ब्रह्मप्रकाश, शिव प्रकाश व सुमित उर्फ उदय प्रकाश (26) व तीन बेटियां हैं। ब्रह्म प्रकाश गुजैनी में किराए के मकान में परिवार संग रहकर मजदूरी करता है। दूसरे नंबर का बेटा शिव प्रकाश दिल्ली में मजदूरी करता है। सबसे छोटा बेटा सुमित गांव में ही रहकर मजदूरी करता था।

> **रोहित ने बताया कि पिछले साल अगस्त माह में सुमित का पति छोटे घर आया था। उसने अपनी पत्नी से साथ चलने को कहा तो दोनों पक्षों में हंगामा हो गया था। मामला रेऊना थाने पहुंचा। वहां ज्योति ने पति के साथ रहने से इंकार कर दिया था। उसके बाद से दोनों बारा दौलतपुर में किराए के कमरे में साथ रह रहे थे।**

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने 3 मजदूरों को कुचला, मौत

ग्रेटर नोएडा में धान की रोपाई कर लौटने समय हादसा, बिहार के रहने वाले थे

तमसा संकेत, एजेंसी

जेवर। ग्रेटर नोएडा में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सड़क किनारे पैदल जा रहे 3 मजदूरों को कुचल दिया। हादसा इतना भीषण था कि तीनों युवक उछलकर सड़क किनारे दूर जा गिरे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों को जेवर के कैलाश अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। हादसा बुधवार देर रात करीब 10:30 बजे जेवर कोतवाली क्षेत्र में जेवर-खुर्जा मार्ग पर नीमका गांव के सामने हुआ। मृतकों की पहचान बिहार के अररिया निवासी करन (22), विश्वजीत (24) और मिथुन (25) के रूप में हुई है।

तीनों धान की रोपाई का काम करने के लिए ग्रेटर नोएडा आए थे। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश के लिए टीम गठित कर दी है। पुलिस के मुताबिक, करन, विश्वजीत और मिथुन बिहार के अररिया जिले के रहने वाले थे। तीनों मजदूरी करने के लिए ग्रेटर नोएडा आए थे। बुधवार देर रात तीनों खेतों में धान की रोपाई का काम खत्म कर जेवर-खुर्जा मार्ग से पैदल नीमका गांव लौट रहे थे। इसी दौरान जेवर की ओर से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने पीछे से तीनों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों सड़क किनारे दूर जाकर खेत में गिर पड़े। हादसे के बाद राहगीरों ने डायल-112 पर सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को कैलाश अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जांच के दौरान पुलिस ने हादसे में शामिल स्कॉर्पियो की पहचान कर ली है। मृतकों के परिजनों की तहरीर पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी चालक की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई है।

पहचान छिपाने के लिए चेहरा जलाया, रेप की भी आशंका, खेत में मिली थी लाश

गला रेतकर महिला की हत्या

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। जिले के पाकबड़ा थाना क्षेत्र में खेत से मिले अज्ञात महिला के शव मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की हत्या की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, महिला की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की गई थी। वहीं, हत्या से पहले उसके साथ दुष्कर्म किए जाने की आशंका भी जताई गई है। इसकी पुष्टि के लिए पोस्टमार्टम टीम ने स्लाइड तैयार कर जांच के लिए भेजी है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। महिला का शव बुधवार को गांव मौढ़ा तैय्या स्थित एक खेत में मिला था। शव का चेहरा और

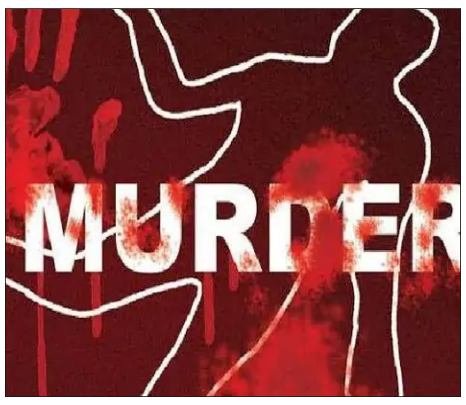

शरीर का कुछ हिस्सा जला हुआ था। पुलिस का प्रारंभिक अनुमान है कि आरोपी ने महिला की पहचान छिपाने के उद्देश्य से उसका चेहरा जलाने की कोशिश की, जिससे उसकी शिनाख्त न हो सके। पुलिस के अनुसार, गांव मौढ़ा तैय्या निवासी किसान कल्लू सिंह के खेत में बुधवार को महिला का शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। खेत मालिक का बेटा प्रदीप पशुओं के लिए चारा लेने खेत पर गया था। इसी दौरान उसकी नजर खेत में पड़े शव पर पड़ी। प्रदीप ने तत्काल इसकी सूचना परिजनों और पुलिस को दी।

> पुलिस के मुताबिक, मृतका की उम्र करीब 34 वर्ष बताई जा रही है। महिला ने प्लाजो और कुर्ती पहन रखी थी। हालांकि, अभी तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के जिलों और थानों से संपर्क कर महिला की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। पुलिस को आशंका है कि आरोपी महिला को किसी अन्य स्थान से लाकर खेत में छोड़ गया हो सकता है। चेहरा जलाने की वजह से पहचान में दिक्कत आ रही है।

जानकारी मिलते ही पाकबड़ा थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस ने शुरू की जांच, जल्द खुलासे का दावा

पुलिस ने मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और आसपास के लोगों से पूछताछ के आधार पर सुराग जुटाए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि महिला की पहचान होने के बाद जांच को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। पुलिस ने दावा किया है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दुष्कर्म की पुष्टि के लिए भेजी गई स्लाइड

इंस्पेक्टर पाकबड़ा सुनील कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की हत्या धारदार हथियार से गला रेतकर किए जाने की पुष्टि हुई है। डॉक्टरों ने दुष्कर्म की संभावना को देखते हुए स्लाइड तैयार कर जांच के लिए भेजी है।

उन्होंने बताया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही दुष्कर्म की पुष्टि हो पाएगी।

फिलहाल पुलिस हत्या के कारणों और आरोपियों तक पहुंचने के लिए सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

फतेहपुर सीकरी पहाड़-झील संरक्षण केस की एनजीटी में सुनवाई

प्रदेश सरकार को दिए नोटिस, 22 सितंबर को होगी अगली सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के फतेहपुर सीकरी में स्थित फतेहपुर सीकरी पहाड़ व सीकरी की झील के संरक्षण को लेकर एनजीटी में दायर वाद की सुनवाई हुई। एनजीटी की ओर से इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार व अन्य को नोटिस जारी किए गए हैं। वादी अजय प्रताप सिंह एडवोकेट ने बताया कि न्यायालय को बताया कि आगरा का फतेहपुर सीकरी में विंध्यांन पर्वत की दो समानांतर पहाड़ियां हैं, जिन्हें फतेहपुर सीकरी रेंज व बदौराली रेंज कहते है। इन दोनों पहाड़ियों के बीच एक ऐतिहासिक झील थी जिसमें खारी नदी से पानी आता था। झील को पूरी तरह नष्ट करके खेती की जा रही है और फतेहपुर सीकरी रेंज पर विश्व

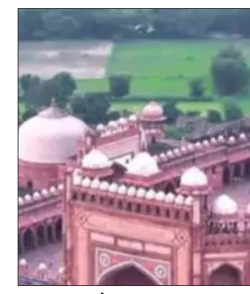

प्रसिद्ध फतेहपुर सीकरी किला है जिसपर आये दिन अवैध निर्माण होता है। अवैध निर्माण व झील नष्ट होने से वायु प्रदूषण बढ़ रहा है, जिससे लाल बलुआ पत्थर से बना फतेहपुर सीकरी किला पर काली परत जम रही है। सीकरी की झील ऐतिहासिक झील है अकबर,बाबर ने भी इसका उल्लेख किया है। वर्ष 1884 ई० की स्टेटिकल, डिस्क्रप्टिव एंड हिस्टोरिकल एकांउन्ट के वॉल्यूम 7 में सीकरी झील का उल्लेख है। वर्ष 1905 के आगरा गजेटियर में सीकरी झील व पहाड़ का उल्लेख है। गजेटियर रिकॉर्ड के अनुसार सीकरी झील लगभग 2 मील चौड़ी व 6 मील लंबी थी जोकि फतेहपुर सीकरी रेंज व बदरौली रेंज के बीच स्थित थी। खारी नदी को सीकरी चार हिस्सा, पत्सल, पाली किरवाली, मोहम्मदपुर गांव में पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। पहाड़,झील व नदी मिलकर एक विशेष पारिस्थितिकी तंत्र बनाते थे जिसे नष्ट कर दिया गया है जिससे वायु प्रदूषण बढ़ रहा है। फतेहपुर सीकरी क्षेत्र के लिए बहुत नुकसानदायक है और ताज ट्रिपेजियम जोन के लिए नुकसानदायक है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, विपक्षी संख्या-8 क्षेत्रीय प्रबंधक आगरा , उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड है।

फास्ट न्यूज

किरावाली में बारिश से फसलें डूबीं

किरावली। किरावली क्षेत्र में दो दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। कस्बे से लेकर ग्रामीण इलाकों तक सड़कें, गलियां और खेत पानी में डूब गए हैं। इस भारी बारिश का सबसे बुरा असर किसानों पर पड़ा है। खेतों में खड़ी बाजरे और हरी सब्जियों की फसलें पूरी तरह जलमग्न होकर बर्बाद हो गई हैं।

मुरादाबाद से शिमला के लिए सीधी रोडवेज बस शुरू

मुरादाबाद। मुरादाबाद से शिमला जाने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। रोडवेज ने दोनों शहरों के बीच सीधी बस सेवा शुरू कर दी है। अब यात्रियों को दूसरे शहरों में बस बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे सफर पहले की तुलना में अधिक आसान और सुविधाजनक हो जाएगा। रोडवेज अधिकारियों के मुताबिक, यह बस रोजाना बदायूं से चलकर शाम 6:30 बजे मुरादाबाद बस अड्डे पहुंचेगी। यहां 30 मिनट रुकने के बाद शाम 7 बजे शिमला के लिए रवाना होगी। मुरादाबाद से शिमला की दूरी 418 किलोमीटर है।

मथुरा में तीसरे दिन भी बारिश जारी

मथुरा। मथुरा में गुरुवार, 9 जुलाई 2026 को लगातार तीसरे दिन भी मानसूनी बारिश जारी रही। तड़के से रुक-रुक कर हो रही तेज और हल्की बारिश से लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली है। वहीं, शहर के कई इलाकों में जलभराव हो गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के ऑरेंज अलर्ट के बाद जिला प्रशासन ने कक्षा 1 से 8 तक के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया।

गोवर्धन में बारिश से मकान की दीवार ढही

तीन लोग घायल, ग्रामीणों की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा के गोवर्धन तहसील क्षेत्र के थाना मगोर्रा अंतर्गत गांव जोगीपुरा हटीपा में लगातार बारिश के कारण एक मकान की जर्जर दीवार ढह गई। बुधवार देर शाम हुए इस हादसे में दीवार के पास मौजूद तीन लोग घायल हो गए। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों और परिजनों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने मलबे में दबे घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला और तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से राहत कार्य में शामिल हुई। चिकित्सकों के अनुसार, तीनों घायलों को चोटें आई हैं, लेकिन उनकी हालत खतरे से

बाहर बताई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कई दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण क्षेत्र के कच्चे और जर्जर मकानों की दीवारें कमजोर हो गई हैं। इस घटना ने गांव के लोगों में भय का माहौल पैदा कर दिया है, क्योंकि उन्हें बड़े हादसे की आशंका है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव में जर्जर और क्षतिग्रस्त मकानों का शीघ्र सर्वे कराया जाए। उनका कहना है कि ऐसे भवनों में रहने वाले परिवारों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जाना चाहिए।

आगरा के सुभाष बाजार में नाले में समाई दो मंजिला दुकान, 5 को बचाया

20 घंटे से चल रहा रेस्क्यू, महिला का सुराग नहीं

सुभाष बाजार में नाले में समाई दो मंजिला दुकान।

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के सुभाष बाजार में बुधवार दोपहर करीब 1 बजे को नाले में 2 मंजिला दुकान समा गई। मलबे में 60 साल की गंगा देवी समेत 6 लोग दब गए। व्यापारियों और राहगीरों ने मलबा हटाकर 5 घायलों को बाहर निकाल लिया। लेकिन गंगादेवी का पता नहीं चल सका है। उनकी तलाश में अग्निशमन, एसडीएआरएफ, नगर निगम और पीएसी की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। बुधवार दोपहर

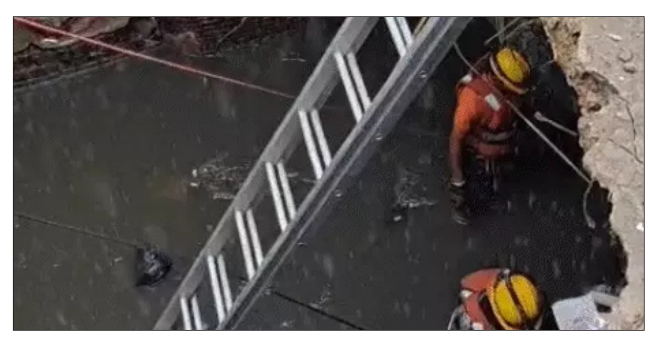

2.30 बजे से रात लगभग 1 बजे तक रेस्क्यू चला। मगर महिला का पता नहीं चल सका। गुरुवार सुबह लगभग 6 बजे फिर से सभी टीमें महिला की तलाश में जुट गई हैं। गंगा देवी की तलाश में 20 घंटे से रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। सहायक नगर आयुक्त अशोक प्रिय गौतम ने बताया-महिला की तलाश में फिर से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। जब तक महिला का सुराग नहीं लग जाता, तब तक अभियान जारी रहेगा।

खेरागढ़ विधायक भी घटनास्थल पर पहुंचे

खेरागढ़ विधायक भगवान सिंह कुशवाह मौके पर पहुंच गए हैं। गंगादेवी उन्हीं की विधानसभा क्षेत्र सैंया के गांव की रहने वाली हैं। विधायक ने नगर निगम और प्रशासन के अधिकारियों से घटना और बचाव कार्य की जानकारी की।

गंगा देवी के घरवाले भी पहुंचे, बारिश के बीच चल रहा रेस्क्यू

रेस्क्यू ऑपरेशन के बीच बारिश शुरू हो गई है। सुबह 6 बजे से गंगा देवी के घरवाले मौके पर मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि वह शॉपिंग करने आईं थीं। तभी हादसे का शिकार हो गईं। महिला की तलाश में SDRF की टीम नाले में उतरी है। टीम ने मलबा हटा लिया है। अब गंगा देवी की तलाश की जा रही है।

ये तस्वीर 60 वर्षीय गंगा देवी की है। उनकी तलाश में रेस्क्यू जारी है।

93 हेक्टेयर सरकारी जमीन कब्जामुक्त

अधिकारियों की मिलीभगत से रिकॉर्ड में नाम चढ़वा लिए थे, 55 हेक्टेयर पर जल्द होगी कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। जिले में सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। गुरुवार को जिला प्रशासन ने नेशनल हाईवे बाईपास स्थित कल्याणपुर एहतमाली क्षेत्र में करीब 93 हेक्टेयर सरकारी भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त करा लिया। प्रशासन के अनुसार, इस जमीन को राजस्व अभिलेखों में हेरफेर कर निजी लोगों के नाम दर्ज करा दिया गया था। जांच के दौरान सामने आया कि करीब 150 हेक्टेयर सरकारी भूमि पर अवैध तरीके से निजी व्यक्तियों के नाम दर्ज कर कब्जा किया गया था। प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए 93 हेक्टेयर भूमि के रिकॉर्ड दुरुस्त कर दिए हैं। राजस्व अभिलेखों में दर्ज निजी नामों को हटाकर जमीन को दोबारा उत्तर प्रदेश राज्य सरकार के नाम दर्ज कर दिया गया है। जिला प्रशासन का कहना है कि सरकारी

जमीन को निजी नामों में दर्ज कराने में तहसील स्तर के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की जांच की जा रही है। आरोप है कि अभिलेखों में बदलाव कर सरकारी भूमि को निजी संपत्ति के रूप में दर्शाया गया था। प्रशासन की जांच में सामने आए मामलों के आधार पर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। कई मामलों में न्यायालय में वाद भी लंबित हैं, जिन पर नियमानुसार प्रक्रिया अपनाई जा रही है। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि सरकारी संपत्तियों को कब्जामुक्त कराने का अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि कल्याणपुर एहतमाली क्षेत्र में अभी करीब 55 हेक्टेयर सरकारी भूमि पर भी कार्रवाई की जानी बाकी है, जिसे जल्द ही कब्जामुक्त कराया जाएगा। डीएम ने कहा कि सरकारी

सरकारी कार्यों में होगी जमीन का उपयोग

डीएम ने कहा कि कब्जामुक्त कराई गई भूमि पर वृक्षारोपण कराया जाएगा। इसके अलावा जरूरत के अनुसार अन्य सरकारी परियोजनाओं और सार्वजनिक कार्यों के लिए भी इस जमीन का उपयोग किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में जहां-जहां सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे हैं, वहां इसी तरह अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का उद्देश्य सरकारी जमीन को कब्जामुक्त कर उसका सार्वजनिक हित में उपयोग सुनिश्चित करना है।

जमीनों को सुरक्षित रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। किसी भी व्यक्ति या संस्था को सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्जा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

150 हेक्टेयर जमीन पर दर्ज करा लिए थे निजी नाम

डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया के अनुसार, नेशनल हाईवे बाईपास स्थित कल्याणपुर एहतमाली में करीब 150 हेक्टेयर सरकारी भूमि पर तहसील अधिकारियों की मिलीभगत से निजी लोगों के नाम दर्ज करा दिए गए थे। इसके बाद संबंधित लोगों ने खाली पड़ी सरकारी जमीन पर कब्जा भी कर लिया। जब प्रशासन ने जमीन वापस लेने की कार्रवाई शुरू की तो कई लोगों ने अलग-अलग अदालतों में मामले दाखिल कर दिए।

93 हेक्टेयर जमीन कराई कब्जामुक्त

जिला प्रशासन ने गुरुवार को अभियान चलाकर 93 हेक्टेयर भूमि को कब्जामुक्त करा लिया। साथ ही राजस्व रिकॉर्ड से निजी लोगों के नाम हटाकर जमीन दोबारा राज्य सरकार के नाम दर्ज कर दी गई।डीएम ने बताया कि शेष 55 हेक्टेयर भूमि का मामला उनकी अदालत में विचाराधीन है। इस पर जल्द फैसला होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मथुरा की जामा मस्जिद के गुंबद का हिस्सा गिरा

नमाज के दौरान हुआ हादसा, मलबा छत पर गिरा

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा के चौक बाजार स्थित ऐतिहासिक जामा मस्जिद के गुंबद का एक हिस्सा बुधवार शाम अचानक गिर गया। हादसा शाम करीब 7 बजे उस समय हुआ, जब मस्जिद के अंदर नमाज अदा की जा रही थी। गनीमत रही कि गुंबद का मलबा सड़क पर गिरने के बजाय मस्जिद की ऊपरी छत पर गिरा, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। लगातार तीन दिनों से हो रही बारिश के बीच हुई इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों का मानना है कि लगातार बारिश और इमारत के पुराने होने के कारण गुंबद का हिस्सा कमजोर होकर गिरा होगा। हालांकि, हादसे के कारणों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बुधवार शाम करीब 7 बजे

चौक बाजार स्थित ऐतिहासिक जामा मस्जिद से अचानक तेज धमाके जैसी आवाज आई। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़ पड़े। प्रत्यक्षदर्शियों ने देखा कि मस्जिद के गुंबद का एक हिस्सा टूटकर ऊपर की छत पर गिर गया था। हादसे के समय मस्जिद के अंदर नमाज अदा की जा रही थी, लेकिन किसी को चोट नहीं आई।

पृष्ठ 01 का शेष...

राममंदिर चढ़ावा ...

इनके भी घरों की तलाशी ली थी। पुलिस ने आरोपियों के रिश्तेदारों के 30 बैंक खाते फ्रीज किए हैं। इन खातों में आय की तुलना में अधिक लेन-देन मिलने की बात सामने आई है। वहीं, तीनों के घरों की तलाशी के दौरान पुलिस ने नोटों के बंडल और सोने के जेवर (कान की बालियां, लॉकेट) बरामद किए। साथ ही एक कार भी मिली। हालांकि, पुलिस ने अभी इसका खुलासा नहीं किया कि कितना कैश और सामान किसके घर से बरामद हुआ है? पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अनुकल्प ने पूछताछ में बताया- मैं और अविनाश शुक्ला चोरी के पैसों को शेयर मार्केट में लगाते थे। लोगों को ब्याज पर देते थे। पैसों को करीबियों और रिश्तेदारों को पैसे देते थे। फिर उनसे अपने खातों में पैसे ट्रांसफर करवाते थे। इधर, सपा प्रमुख अखिलेश ने लखनऊ में कहा- हमारे धर्म में चढ़ावे की चोरी महापाप है। इन्होंने महापाप किया है। भाजपा में भगदड़ शुरू भी हो गई है। बहुत सारे लोग मुझसे अभी से संपर्क करने लगे हैं। SIT सिर्फ लीपापोती कर रही है। सुनने में तो आया है कि SIT पर भी सवाल खड़े हो गए हैं, एक सदस्य पर 420 का मुकदमा है। बुधवार सुबह 7 बजे पुलिस ने तीन आरोपियों करुणेश पांडेय, अनुकल्प मिश्र और लवकुश को 40 घंटे की रिमांड पर लिया था। इनके पास से फर्जी चंदा की रसीदें मिली हैं। चढ़ावा चोरी मामले में मगरमच्छों को बचाने के लिए चंद मछलियों को चारा बना दिया गया। इस पूरे मामले में सुई PMO और संघ प्रमुख की तरफ भी जाती है। हमें PMO, RSS-VHP से जवाब चाहिए। चढ़ावा चोरी मामले में PMO से जुड़े लोगों और संघ प्रमुख से पूछताछ हो। राम मंदिर चंदा चोरी पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर योगी सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि उन्हें ऐसे बयान देने से पहले अयोध्या जाकर भगवान राम के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लेना चाहिए। देश की जनता जानती है कि अखिलेश यादव अयोध्या में रामलला के दर्शन करने नहीं गए हैं, इसलिए लोग उनके बयानों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। राम मंदिर चंदा चोरी के मामले पर पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने गुरुवार को कहा कि जांच-जांच चल रही है। जांच पूरी होने दीजिए। जांच की रिपोर्ट आएगी, तो अपने आप पता चल जाएगा कि क्या सही है, क्या गलत है। बहुत बड़े जिम्मेदार लोग बैठे हैं, वो अपना काम करेंगे। जब जांच की रिपोर्ट आ जाएगी, जनता स्वयं निर्णय दे देगी कि जांच सही है कि गलत। हमको कोई राइट नहीं है कि हम SIT पर टिप्पणी करें। जिसको राम मंदिर से कोई लेना-देना नहीं, वो भी अपनी राय रख रहे हैं। हमारे देश में स्वतंत्र हैं, आप भी स्वतंत्र हैं। वो भी स्वतंत्र हैं, अपनी-अपनी राय रखें। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर अखिलेश यादव के बयान पर लखनऊ में यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री मनोज पांडेय ने प्रतिक्रिया दी।

भारत को यूरेनियम ...

मोदी ने 16 साल के बच्चों को सोशल मीडिया बैन करने के मामले में ऑस्ट्रेलिया की तारीफ की। इसके बाद मेलबोर्न में 30 हजार भारतीयों को संबोधित किया। भारत अभी 4 देशों से यूरेनियम खरीदता है। मुझे आप पर गर्व है। हम भारतीय ऐसे हैं, जैसे दूध में चीनी मिल जाती है। उसे और मीठा कर देती है। हम भारतीय वैसे ही दुनिया में प्रेम की मिठास घोलते रहते हैं। दाल-सब्जियां ऑस्ट्रेलिया की हैं, लेकिन उसमें तड़का देसी मसालों का ही लगता है। मेलबर्न शहर एक दिन में ही चार सीजन के दर्शन करा देता है। लेकिन भारतीय समुदाय ने इसको और वायब्रेंट बना दिया है। यहां मेलबर्न में और आसपास काफी ऐसे स्थान हैं, ऐसे मार्केट्स हैं, जो भारतीयता के रंग से रंगे हैं। ऐसे ही एक मार्केट का वीडियो किसी ने मुझु दिखाया, उसमें बता रहे थे कि वहां बुहत सेल चलती रहती है। और इस सेल के चक्कर में लोग घनचक्कर बन जाते हैं। मूड न हो तो भी खरीददारी करनी पड़ती है। आपमें से कई भारतीयों की पीढ़ियां यहां गुजर गईं, लेकिन आज भी उनमें भारतीयता जिंदा है। मैं जब 2014 में ऑस्ट्रेलिया आया था तो 28 साल के बाद भारत का कोई पीएम यहां पहुंचा था। तब मैंने कहा था कि अब आपको 28 साल इंतजार नहीं करना पड़ेगा। पिछले 12 वर्षों में मैं तीसरी बार यहां आया हूं। यानी कि इस बार हैट्रिक लगी है। ये दिखाता है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के रिश्ते किस ऊंचाई पर हैं। और जानते हैं कि इसमें सबसे बड़ी भूमिका किसकी है... मोदी की नहीं। इसमें आप सभी साथियों की भूमिका है। ये शो हाउसफुल है, ब्लॉकबस्टर है। इससे पहले मैं दो बार सिडनी में आप सभी से मिला हूं। मेलबर्न वालों से मिलने का मुझे भी इंतजार था। इसीलिए सोचा कि इस बार मेलबर्न ही चलो। जिस एनर्जी से आपने हम सभी को वेलकम किया है वह और भी अमेजिंग है।मेलबर्ल ने एक तरह से मैदान मार लिया है। मैं मेरे और भारत के दोस्त पीएम एल्थनी एल्बनीज का बहुत आभारी हैं। आपने सिडनी के बाद मेलबर्न में भी भारत कम्युनिटी के बीच आए हैं। पीएम ने कहा- इंडो-पैसिफिक सिर्फ दो महासागरों का मिलन नहीं है, बल्कि यह भारत और ऑस्ट्रेलिया जैसे लोकतांत्रिक देशों की साझा सोच और आकांक्षाओं का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा- सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देशों ने संयुक्त घोषणा पर साइन किए हैं। भारत-ऑस्ट्रेलिया डिफेंस इनोवेशन कॉरिडोर के जरिए दोनों देशों के रक्षा स्टार्टअप और रक्षा उद्योगों को जोड़ा जाएगा। पीएम मोदी ने कहा- दोनों देश शिप बनाने, उनकी मरम्मत और रखरखाव (मेंटेनेंस) के क्षेत्र में भी मिलकर काम करेंगे। जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी ने कहा- आज न्यूक्लियर एनर्जी सेक्टर में एक अहम समझौता हुआ है। इससे ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियम की सप्लाई का रास्ता खुलेगा और स्वच्छ ऊर्जा के हमारे लक्ष्य को नई ताकत मिलेगी। पीएम ने कहा- क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में सहयोग हमारी रणनीतिक सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बेहद अहम है। दोनों देश मिलकर क्रिटिकल मिनरल्स कॉरिडोर बनाने पर भी काम करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के पेंशन फंड्स आज 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक एसेट्स मैनेज करते हैं। भारत में पेंशन की बचत को एक पवित्र अमानत माना जाता है। हम इसे सिर्फ कैपिटल नहीं, करोड़ों परिवारों का भरोसा मानते हैं।

एसआईटी के अफसर...

मुख्यमंत्रीजी कह रहे हैं कि कार्रवाई कर रहे हैं। कार्रवाई तो होगी, लेकिन जब नया मुख्यमंत्री आएगा, तब तगड़ी कार्रवाई करेगा। दरअसल, शंकराचार्य 81 दिन की 'गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने' के लिए यात्रा निकाल रहे हैं। इसके तहत वह बुधवार को लखनऊ पहुंचे। बुधवार रात फैजुल्लागंज इलाके के जगन लाल यादव गेस्ट हाउस में रुके थे। यहीं अखिलेश ने उनसे मुलाकात की। अखिलेश की शंकराचार्य से 4 महीने में यह दूसरी मुलाकात है। इससे पहले 12 मार्च को लखनऊ में ही मुलाकात की थी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच कर रही SIT के अध्यक्ष विजय विश्वास पंत हैं। वह लखनऊ के मंडलायुक्त भी हैं। उनके खिलाफ मेरठ में धोखाधड़ी करने की के FIR दर्ज है। इसकी मेरठ पुलिस जांच कर रही है। इसी को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने निशाना साधा है। इस मामले में शिव कुमार को RTI से भी सूचना नहीं मिली। फिर इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर शिव कुमार को सूचना मिली। इसके आधार पर शिव कुमार ने साल-2015 में पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम के एमडी विजय विश्वास पंत को पूरा मामला बताया। उन्होंने जांच कराई। इसमें इंजीनियर-कर्मचारी दोषी मिले। लेकिन, विजय विश्वास पंत ने उन पर कार्रवाई करने की जगह मामले को दबा दिया और भुगतान नहीं कराया। इसके बाद शिव कुमार ने विजय विश्वास पंत समेत 14 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का मुकदमा दर्ज कराया था। वहीं, शिव कुमार ने बताया कि जांच अधिकारी नरेंद्र कुमार कसाना ने कहा कि आईएएस के खिलाफ चार्जशीट नहीं लगा सकते। एक भी आरोपी के खिलाफ चार्जशीट नहीं लगाएंगे।

इंटरव्यू में 'सन ऑफ बिच' कहा, फुटबॉल वर्ल्डकप की 3 कंट्रोवर्सी, बयानों पर माफी मांगने से किया इनकार

पैराग्वे की मंत्री ने फ्रांसीसी फुटबॉल कप्तान को गाली दी

विवाद

नई दिल्ली, एजेंसी

फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे और पैराग्वे की सीनेटर सेलेस्टे अमारिला के बीच विवाद और गहरा गया है। अमारिला ने अब एम्बाप्पे को पिल्ला (सन ऑफ बिच) कहा है। उन्होंने अपने पहले दिए गए बयानों पर माफी मांगने से इनकार किया है।

अमारिला ने बुधवार को स्पेन के अखबार 'Marca' से कहा- 'जब ऑरलैंडो गिल, जो शायद पहली बार वर्ल्ड कप खेल रहा था और पहली बार यूरोप आया था। दुनिया के सामने पूरी विनम्रता के साथ एक पैराग्वेयन की तरह अपना हाथ बढ़ाता है, तब वह सन ऑफ बिच उससे हाथ मिलाने से इनकार कर देता है। यह फ्रांसीसी संस्कृति नहीं है। कोई भी असली फ्रांसीसी ऐसा कभी नहीं करता।'

अमारिला पहले से एम्बाप्पे पर नस्लीय टिप्पणी को लेकर विश्व स्तर पर आलोचना झेल रही हैं। यह विवाद 5 जुलाई को राउंड ऑफ-16 में फ्रांस की पैराग्वे पर 1-0 की जीत के बाद शुरू हुआ था। मैच के बाद एम्बाप्पे ने पैराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल से हाथ नहीं मिलाया था। इसके बाद सीनेटर ने उन्हें घमंडी बताते हुए नस्लीय टिप्पणी की थी।

मैच के बाद गिल एम्बाप्पे से हाथ मिलाने के लिए आगे बढ़, लेकिन एम्बाप्पे उन्हें नजर अंदाज कर गए। इस पर गिल ने एम्बाप्पे की ओर फुटबॉल उछाल दी थी। मैच के बाद गिल एम्बाप्पे से हाथ मिलाने के लिए आगे बढ़, लेकिन एम्बाप्पे उन्हें नजर अंदाज कर गए। इस पर गिल ने एम्बाप्पे की ओर फुटबॉल उछाल दी थी।

ट्रम्प के फोन पर बालोगुन का बैन हटाने पर फीफा प्रेसिडेंट घिरे

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हस्तक्षेप के बाद अमेरिकी फुटबॉलर फोलारिन बालोगुन का वर्ल्ड कप बैन हटाने के फैसले पर फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो की मुश्किलें बढ़ गई हैं। लंदन के मानवाधिकार संगठन फेयर-स्क्वेयर ने उनके खिलाफ इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी के एथिक्स कमीशन में शिकायत दर्ज कराई है। संगठन का आरोप है कि इन्फैन्टिनो ने ओलिंपिक चार्टर के राजनीतिक निष्पक्षता नियम का उल्लंघन किया है। IOC मेंबर होने के नाते उन पर राजनीतिक तटस्थता संबंधी नियम लागू होते हैं।

पहले एमबाप्पे को घमंडी कहा था

अमरिला ने सोशल मीडिया पर एमबाप्पे को लेकर आपत्तिजनक और व्यक्तिगत टिप्पणियां की थीं। जवाब एमबाप्पे ने उन्हें 'घृणित महिला' और 'अपने पद के अयोग्य' बताया था। इसके बाद अमारिला ने X पर एक लेटर पोस्ट किया था। इसमें लिखा था कि उनका विरोध सिर्फ एमबाप्पे के व्यवहार से है, फ्रांस से नहीं।

अमरिला ने लेटर में लिखा, 'मैंने बचपन से बड़े होने तक तक फ्रेंच स्कूल में पढ़ाई की है। फ्रेंच बोलती हूं और फ्रांस से मेरा गहरा लगाव है। पिछले साल फ्रांस में ही परिवार के साथ क्रिसमस मनाया था। इसलिए मेरा विवाद फ्रांस से नहीं, बल्कि तुम्हारे घमंडी रवैये से है।'

पैराग्वे सरकार ने 7 जुलाई को फ्रांस के कप्तान किलियन एमबाप्पे के खिलाफ सीनेटर अमारिला की टिप्पणी की कड़ी निंदा की। कहा कि यह बयान उन मूल्यों और सिद्धांतों के विपरीत हैं, जिनका पालन हमारा देश करता है।

ईशान किशन के निशाने पर होगा युवराज सिंह का धांसू रिकॉर्ड

ब्रिस्टल में इतिहास रचने का गोल्डन चांस

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले चौथे टी20 मैच में विकेट-कीपर बल्लेबाज ईशान किशन अपने नाम बड़ा रिकॉर्ड दर्ज कर सकते हैं। किशन के पास भारत के पूर्व दिग्गज हरफनमौला खिलाड़ी युवराज सिंह का रिकॉर्ड ध्वस्त करने का मौका है। किशन इस सीरीज में अब तक अपना प्रभाव नहीं छोड़ सके हैं और वे चौथे मुकाबले में बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे।

भारत सीरीज में 0-2 से पीछे है और अगर टीम इंडिया को वापसी करनी है, तो किशन का बल्ला चला जरूरी है। अगर ईशान अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो वे युवराज के एक बड़े रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ने भारत के लिए पिछले कुछ समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। हालांकि, आयरलैंड के बाद इंग्लैंड में भी उनका बल्ला नहीं चला है। अगर बाएं हाथ के बल्लेबाज का बल्ला हल्ला बोलता है, तो उनके नाम टी20 में बड़ा रिकॉर्ड दर्ज होने वाला है। भारत के लिए टी20 में युवराज सिंह ने 58 मैचों में खेलते हुए 74 छक्के लगाए हैं। दूसरी तरफ किशन ने 50 मैच खेले हैं और 71 सिक्स जड़े हैं। ऐसे में अगर वे तीन छक्के लगाएंगे, तो युवराज की बराबरी कर लेंगे। अगर इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 मैच में किशन चार छक्के लगाते हैं, तो वे भारत के लिए सबसे अधिक छक्के लगाने के मामले में युवराज सिंह को पीछे छोड़ देंगे। टी20 इंटरनेशनल में सबसे अधिक छक्के लगाने के मामले में किशन 10वें स्थान पर हैं और उनके पास एक पायदान ऊपर आने का मौका है।

रोहित शर्मा ने इंग्लैंड दौरे के लिए बनाया खास प्लान

नई दिल्ली। भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा इंग्लैंड पहुंच चुके हैं। वे वनडे सीरीज की तैयारियों में जुट गए हैं। रोहित अब टीम इंडिया के लिए सिर्फ वनडे फॉर्मेट खेलते हैं। उनका लक्ष्य भारत के लिए विश्व कप 2027 में खेलना है, जो साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में खेला जाना है। वर्ल्ड कप से पहले हिटमैन के लिए हर सीरीज एक अग्नि परीक्षा की तरह है।

रोहित के लिए पिछले कुछ समय से उनकी फिटनेस भी बड़ी समस्या बनी हुई है। आईपीएल 2026 में वे हैमिस्ट्रिंग इंजरी की वजह से 5 मुकाबला नहीं खेल सके थे। इसके बाद उनकी फिटनेस पर सवाल खड़े होने लगे थे। टीम मैनेजमेंट की तरफ से ये आश्वसन नहीं दिया जा रहा है कि रोहित की वर्ल्ड कप में जगह पक्की है। ऐसे में अब वे इंग्लैंड की परीक्षा पास करने के लिए पहले ही लंदन पहुंच चुके हैं।

भारत के 12वें क्रिकेटर बनेंगे, 11 जुलाई को होगा ऐलान

सौरव गांगुली आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होंगे

घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को ICC हॉल ऑफ फेम में शामिल किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसकी घोषणा 11 जुलाई को स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में ICC की सालाना कॉन्फ्रेंस में होगी। गांगुली हॉल ऑफ फेम में जगह बनाने वाले भारत के 12वें क्रिकेटर होंगे।

54वें जन्मदिन पर गांगुली को यह बड़ी उपलब्धि मिलने जा रही है। इसी दिन उनकी बायोपिक 'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' का फर्स्ट लुक भी जारी किया गया, जिसमें एक्टर राजकुमार राव 2002 नेटवेस्ट ट्रॉफी जीत के बाद लॉड्र्स की बालकनी में जर्सी लहराते नजर आए। पोस्टर शेयर करते हुए गांगुली ने इसे अपने लिए सबसे बेहतरीन गिफ्ट बताया।

गांगुली ने भारत के लिए 113 टेस्ट में 7212 रन बनाए, जिसमें 16 शतक शामिल हैं। 311 वनडे में उनके नाम 11363 रन और 22 शतक दर्ज हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 132 विकेट भी लिए। बल्लेबाजी के बाद वे बीसीसीआई अध्यक्ष और वर्तमान में क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष भी रहे हैं।

2000 में संभाली थी टीम इंडिया की कमान

मैच फिक्सिंग विवाद के बाद 2000 में गांगुली ने भारतीय टीम की कप्तानी संभाली। उन्होंने वीरेंद्र सहवाग, हरभजन सिंह, युवराज सिंह, जहीर खान, मोहम्मद कैफ और बाद में महेंद्र सिंह धोनी जैसे खिलाड़ियों पर भरोसा जताया। उनकी कप्तानी में भारत ने 2002 चैंपियंस ट्रॉफी जीती, 2003 वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल खेला, इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज ड्रॉ की, 2004 में पाकिस्तान में ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीती और ऑस्ट्रेलिया की 16 मैचों की टेस्ट जीत की लय भी तोड़ी। गांगुली के शामिल होने के बाद ICC हॉल ऑफ फेम में भारत के खिलाड़ियों की संख्या 12 हो जाएगी। उनसे पहले बिशन सिंह बेदी, कपिल देव, सुनील गावस्कर, अनिल कुंबले, राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर, वीनू मांकड़, वीरेंद्र सहवाग, डायना एडुल्जी, नीतू डेविड और महेंद्र सिंह धोनी यह सम्मान हासिल कर चुके हैं।

मनोरंजन

रणवीर सिंह और अर्जुन कपूर का रीयूनियन

अंशुला के रिसेप्शन में 'तूने मारी एंट्रियां' पर साथ में किया डांस, 'धुरंधर' के गाने पर भी झूमे

नई दिल्ली, एजेंसी

अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर ने 6 जुलाई को स्क्रीनराइटर रोहन ठक्कर से शादी की। इसके बाद मंगलवार शाम मुंबई में उनका ग्रैंड वेडिंग रिसेप्शन आयोजित किया गया। इस मौके पर बॉलीवुड के कई सितारे शामिल हुए।

रिसेप्शन में सबसे ज्यादा चर्चा रणवीर सिंह और अर्जुन कपूर की डांस परफॉर्मेंस की हुई। दोनों ने अपनी फिल्म गुंडे (2014) के फेमस गाने 'तूने मारी एंट्रियां' पर डांस किया। इस दौरान दोनों की ऑन-स्क्रीन जोड़ी बिक्रम और बाला की यादें भी ताजा हो गईं। वहीं दोनों 'धुरंधर' के गाने पर भी झूमते दिखे।

शादी की तस्वीरों के साथ अंशुला ने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा था, '06.07.2026। इतने सारे लोगों में, इतनी सारी जगहों में और इतने सही-गलत वक्तों के बीच, वो तुम थे। और जिंदगी के हर मोड़, हर उतार-चढ़ाव और हर अनपेक्षित सफर के बाद भी। आज भी तुम ही हो। मेरी सबसे पसंदीदा बातचीत। मेरी सबसे सुकूनभरी जगह। मेरी सबसे आसान और सबसे खूबसूरत पसंद। हमेशा तुम ही रोहन ठक्कर।'

अर्जुन कपूर ने भी शादी के बाद सोशल मीडिया से अंशुला के लिए भावुक पोस्ट शेयर की। उन्होंने लिखा, 'मेरी अंश के नाम, तुम हमेशा मेरी रहोगी, लेकिन अब वक्त आ गया है कि मैं तुम्हें नई राह पर जाने दूं। आज तुम रोहन के साथ अपनी नई जिंदगी की शुरुआत कर रही हो। तुम्हें मुस्कुराते हुए देखकर मेरा दिल, मेरा मन और मेरी आत्मा बेहद खुश हैं। मैंने तुम्हें बचपन से बड़ा होते देखा है और आज तुम एक ऐसी शानदार महिला बन गई हो, जो हर कदम पर हमारी मां की छवि को अपने भीतर समेटे हुए है।'

> कार्यक्रम में सिंगर हिमेश रेशमिया ने लाइव परफॉर्मेंस दी। रणवीर और अर्जुन स्टेज पर उनके साथ नजर आए और 'मुझको याद सताए तेरी' समेत कई गानों पर गाते और झूमते दिखाई दिए।

रिसेप्शन में बोनी कपूर, जाह्नवी कपूर, शनाया कपूर, रेखा, बॉबी देओल, चंकी पांडे और रितेश देशमुख समेत बॉलीवुड की कई हस्तियां शामिल हुईं।

धर्मेंद्र को याद कर फिर इमोशनल हुईं हेमा मालिनी

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा के 'ही-मैन' धर्मेंद्र के जाने के बाद दूसरी पत्नी हेमा मालिनी टूट गईं और इस दर्द से उबरने की कोशिश कर रही हैं। कुछ दिन पहले अभिनेता को मिले पद्म भूषण को रिसीव करते समय भी हेमा मालिनी अपने आंसू नहीं रोक पाई थीं।

अब हेमा मालिनी ने एक हालिया इंटरव्यू में बताया कि जब वह धर्मेंद्र के पद्म भूषण को रिसीव करने स्टेज पर गईं तो उन्हें एहसास हुआ कि उनके पति उनके पास हैं और वह उन्हें हिम्मत दे रहे हैं।

बातचीत में इमोशनल होकर हेमा मालिनी ने कहा, ₹यह मेरे लिए इमोशनल होने के साथ-साथ एक्साइटिंग मोमेंट भी था। उनके सात दशकों के काम को सम्मान मिला। स्टेज पर जाकर इस पुरस्कार को रिसीव करना मेरे लिए वो सबसे बड़ा पल था।

जब मैं इसे रिसीव करने राष्ट्रपति जी के पास जा रही थी, तो मुझे एहसास हो रहा था कि वह मेरे पीछे ही हैं, जैसे वे मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे हों और कह रहे हों, 'इसे रिसीव करने आगे बढ़ो।'

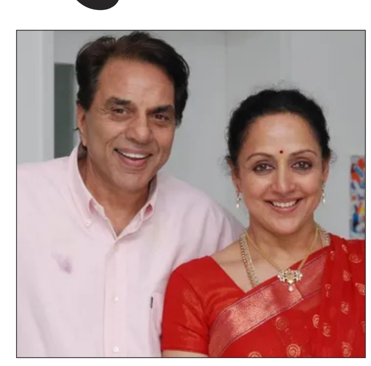

हेमा मालिनी ने बताया कि धर्मेंद्र अपने परिवार से बहुत प्यार करते थे और उन्हें हमेशा एक साथ देखना चाहते थे। उन्होंने कहा, ₹उन्हें अपने सभी बच्चों और उस घर में रहने वाले अपने पोते-पोतियों से बहुत लगाव था, मेरे घर से भी। उन्होंने अपनी जिंदगी का भरपूर आनंद लिया और उसे पूरी तरह जिया। उन्होंने वे चीजें हासिल कीं जो आम लोगों को नहीं मिल पातीं और वे वही बने जो वे शुरू से बनना चाहते थे।

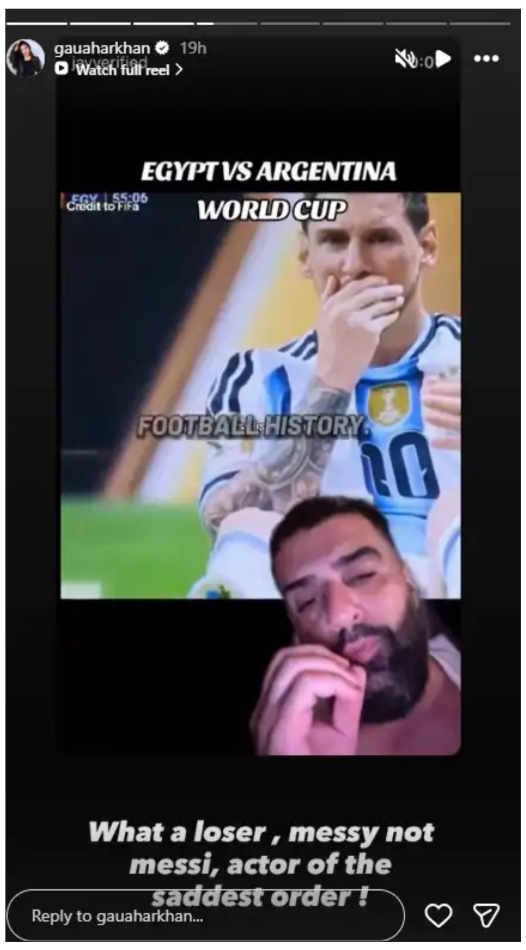

मिस्र के खिलाफ अर्जेंटीना की जीत के बाद फुटबॉलर को लूजर और सबसे घटिया लेवल का एक्टर बताया

लियोनेल मेसी पर भड़कीं गौहर खान

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के मिस्र और अर्जेंटीना के मैच के बाद एक्ट्रेस गौहर खान लियोनेल मेसी पर भड़क गईं और उन्होंने फुटबॉलर को लूजर तक कह दिया।

दरअसल, फीफा वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ 16 में अर्जेंटीना ने मिस्र को 3-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मैच में एक समय मिस्र 2-0 से आगे था, लेकिन दूसरे हाफ के अंतिम हिस्से में अर्जेंटीना ने लगातार तीन गोल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मैच के बाद गौहर ने मेसी के बारे में एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की। उन्होंने एक रील रीपोस्ट की, जिसमें मेसी मैच के दौरान कथित तौर पर चेहरे पर गेंद लगने के बाद अपना मुंह ढकते हुए दिख रहे थे। इसके साथ ही गौहर ने लिखा, 'क्या बेकार इंसान है! मेसी नहीं, बल्कि मेस्सी है (पूरी तरह बिखरा हुआ)। सबसे घटिया लेवल का एक्टर।'

दरअसल, मैच के बाद मिस्र के फुटबॉलर मुस्तफा जीको ने रेफरी के फैसले पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि रेफरी ने निष्पक्ष फैसला नहीं लिया और उनकी टीम के साथ गलत हुआ। जिको ने कहा, 'रेफरी का फैसला गलत था। यह साफ तौर पर हमारी टीम के साथ अन्याय है। उसने पूरे देश की मेहनत पर पानी फेर दिया।' गौहर खान ने अपने करियर की शुरुआत एक मॉडल के तौर पर की थी। वह फेमिना मिस इंडिया 2002 में चौथे स्थान पर रहीं और मिस टैलेंटेड का खिताब जीता। उन्होंने 'रॉकेट सिंहः सेल्समैन ऑफ द ईयर' (2009) से एक्टिंग में डेब्यू किया। इसके बाद वह 'इश्कजादे' (2012) और 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' (2017) जैसी फिल्मों में नजर आईं। गौहर खान और जैद दरबार ने दिसंबर 2020 में शादी की थी। दोनों ने कुछ समय डेट करने के बाद निकाह किया। मई 2023 में उनके पहले बेटे जेहान का जन्म हुआ था।

मुस्तफा जीको ने अर्जेंटीना के खिलाफ 67वें मिनट में गोल दागा था।

वार फैसलों पर उठा विवाद

मिस्र ने दो फैसलों पर एतराज जताया। मैच के दौरान हुए फाउल के लिए VAR रिव्यू के बाद मोस्तफा जिको का गोल नामंजूर कर दिया गया। टीम ने यह भी दावा किया कि हम्दी फाथी पर कथित फाउल के लिए उन्हें पेनल्टी मिलनी चाहिए थी। इसके तुरंत बाद अर्जेंटीना ने विजयी गोल किया। बता दें कि VAR रिव्यू का मतलब फुटबॉल में वीडियो असिस्टेंट रेफरी (VAR) द्वारा किसी अहम फैसले की वीडियो फुटेज के जरिए दोबारा जांच करना होता है।

ईरान का दावा- मिसाइल सिस्टम और रडार को उड़ाया ■ यूएस का 90 ईरानी ठिकानों पर हमला

कतर, कुवैत, बहरीन में अमेरिकी ठिकानों पर ड्रोन अटैक

हमला

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

ईरान ने बताया है कि उसने कतर, कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन हमले किए हैं। ईरानी सेना के मुताबिक, हमलों में कुवैत के पैट्रियट मिसाइल सिस्टम, कतर के अर्ली वॉर्निंग सैटेलाइट एंटीना और बहरीन में अमेरिकी सेना के फ्यूल टैंक को निशाना बनाया गया। इन हमलों के लिए बड़ी संख्या में ड्रोन का इस्तेमाल किया गया।

इससे पहले अमेरिका ने ईरान पर लगातार दूसरे दिन बड़े पैमाने पर एयरस्ट्राइक की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने करीब 90 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया। इन हमलों से ईरान के अहवाज में 3 लोगों की मौत हुई है। ईरानी सेना ने कहा कि वह अमेरिकी हमलों का जवाब देती रहेगी। दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान समझौता चाहता है, लेकिन उसे इस बात पर भरोसा नहीं कि तेहरान समझौते का पालन करेगा।

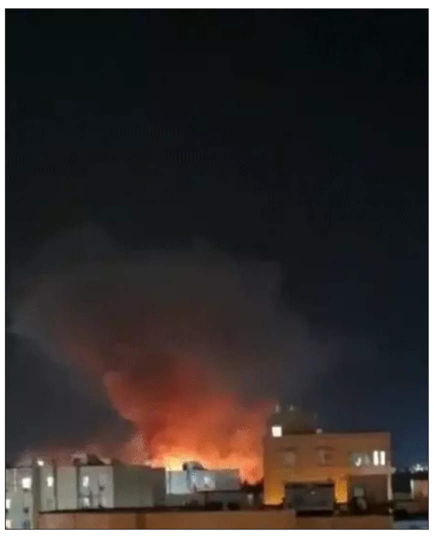

■ बुशहर पर अमेरिकी हमले के बाद आग और धुआं उठता नजर आया।

खामेनेई की अंतिम यात्रा से पहले मशहद में उमड़ी भीड़

खामेनेई की अंतिम यात्रा से पहले ईरान के मशहद शहर में बड़ी संख्या में लोग जुटने लगे हैं। अंतिम यात्रा शुरू होने में अभी कई घंटे बाकी हैं, लेकिन अंतिम दर्शन के लिए पहुंचने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

ईरानी मीडिया के मुताबिक, खामेनेई का अंतिम संस्कार मशहद स्थित इमाम रजा के रौजे के पास किया जाएगा। इससे पहले उनका शव इराक के नजफ और कर्बला ले जाया गया, जहां अंतिम संस्कार से जुड़ी धार्मिक रस्में निभाई गईं।

> **अमेरिकी सेना ने मंगलवार देर रात ईरान के 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। अमेरिका ने बताया कि यह ईरान के होर्मुज में जहाजों पर हमले के जवाब में किया गया है।**
>
> **अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नाटो समिट के दौरान कहा कि ईरान के साथ हुआ सीजफायर समझौता अब खत्म हो चुका है और अब वह ईरान से कोई डील नहीं करना चाहते।**

पिछले 2 दिन में ईरान में 14 लोगों की मौत

ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि पिछले दो दिनों में अमेरिकी हमलों में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 78 लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय के मुताबिक, इस दौरान अमेरिका ने ईरान के पांच प्रांतों में हवाई हमले किए। घायलों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

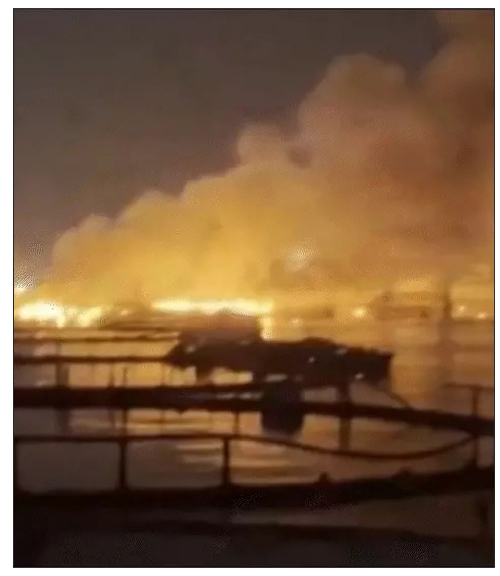

■ ईरान के होर्मोजगान प्रांत के कुहेस्तक में अमेरिकी हमले के बाद बंदरगाह क्षेत्र से धुआं उठता दिखाई दिया। यह बंदरगाह होर्मुज स्ट्रेट के पास स्थित है।

पूर्व सुप्रीम लीडर का शव ईरान पहुंचा

खामेनेई का पार्थिव शरीर गुरुवार को इराक से ईरान के मशहद पहुंच गया है। ईरान ने विमान के मशहद पहुंचने का वीडियो भी जारी किया है। खामेनेई के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार से पहले इराक के नजफ और कर्बला ले जाया गया था, जहां उनसे जुड़ी धार्मिक रस्में निभाई गईं। इसके बाद विशेष विमान से उनका पार्थिव शरीर मशहद लाया गया।

ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, खामेनेई को उनकी अंतिम इच्छा के अनुसार मशहद स्थित इमाम रजा के रौजे के पास सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। बहरीन में गुरुवार को तीसरी बार एयर रेड सायरन बजाए गए। देश के गृह मंत्रालय ने लोगों के मोबाइल पर चेतावनी संदेश भेजा और कुछ इलाकों में इमरजेंसी सायरन सक्रिय किए।

फास्ट न्यूज

सेंसेक्स 238 अंक चढ़कर 76,742 पर बंद

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 9 जुलाई को बढ़त रही। सेंसेक्स 238 अंक की तेजी के साथ 76,742 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 81 अंक की बढ़त रही, ये 23,963 पर बंद हुआ। रियल्टी और मीडिया शेयर्स में आज ज्यादा खरीदारी रही। इससे पहले कल यानी 8 जुलाई को शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 1677 अंक या 2.15% गिरकर 76,504 पर बंद हुआ था।

गुरुग्राम की बिजली सप्लाई करेंगे अडानी

चंडीगढ़। हरियाणा में पहली बार गुरुग्राम की बिजली वितरण व्यवस्था में निजी क्षेत्र की बड़ी एंट्री का रास्ता खुलता दिखाई दे रहा है। अडानी समूह की बिजली वितरण कंपनी ने गुरुग्राम में बिजली सप्लाई के लिए ग्रांट ऑफ लाइसेंस की औपचारिक याचिका दायर कर दी है। यह आवेदन विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 15 (लाइसेंस पाने की प्रक्रिया) प्रोसीजर फॉर ग्रांट ऑफ लाइसेंस के तहत हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग में दाखिल किया गया है। सुनवाई के बाद आयोग ने अपना फैसला होल्ड कर दिया है।

सोना 1022 बढ़कर 1.43 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 9 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,022 रुपए बढ़कर 1.43 लाख रुपए हो गया है। वहीं, 1 किलो चांदी का दाम 1,752 रुपए बढ़कर 2.27 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

सरकार ने लीथियम-आयन सेल और डिस्प्ले पर कस्टम ड्यूटी माफ की

स्मार्टफोन-लैपटॉप सस्ते हो सकते हैं, मार्च 2029 तक छूट मिलेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने देश में स्मार्टफोन, लैपटॉप, वियरेबल्स (स्मार्टवॉच, फिटनेस बैंड) और स्मार्ट टीवी जैसे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज बनाने में इस्तेमाल होने वाले सामान से बेसिक कस्टम ड्यूटी (BCD) हटा दी है। इससे स्मार्टफोन, लैपटॉप और स्मार्ट टीवी सस्ते हो सकते हैं।

अब डिस्प्ले असेंबली, लीथियम-आयन सेल और इंडक्टर कॉयल मॉड्यूल के मैन्युफैक्चरिंग में इस्तेमाल होने वाले सामानों पर बेसिक कस्टम ड्यूटी नहीं लगेगी। सरकार ने घरेलू प्रोडक्शन को बढ़ावा देने के लिए ये कदम उठाया है। ड्यूटी फ्री इम्पोर्ट की नई लिस्ट में इलेक्ट्रॉनिक्स और बैटरी बनाने वाली लगभग सभी जरूरी चीजें शामिल हैं। अब कंपनियों को पाउडर ड्रायर, ऑटोमैटिक फीडिंग और ब्लेंडिंग सिस्टम, स्लरी ट्रांसफर सिस्टम, कैथोड और एनोड एक्सट्रूज़न कोटिंग मशीनें, कम्प्रेशन इक्विपमेंट और हाई वैक्यूम पंप मंगाने पर टैक्स नहीं देना होगा। इसके अलावा वाइंडिंग मशीन, इलेक्ट्रोड कटिंग और स्लिटिंग मशीन, टेस्टिंग मशीन, ऑटो-पैकिंग सिस्टम, सेपरेटर कोटिंग मशीन और स्टैकिंग मशीन भी इस छूट के दायरे में आएंगी।

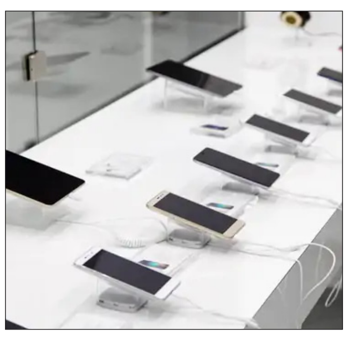

स्मार्टफोन, लैपटॉप और स्मार्ट टीवी हो सकते हैं सस्ते

इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का मानना है कि डिस्प्ले असेंबली और लीथियम-आयन सेल किसी भी स्मार्टफोन, लैपटॉप या स्मार्ट टीवी की कुल लागत का एक बहुत बड़ा हिस्सा होते हैं। इन पर बेसिक कस्टम ड्यूटी हटने से कंपनियों को मैन्युफैक्चरिंग में बड़ी राहत मिलेगी। आने वाले समय में कंपनियां इसका फायदा ग्राहकों को ट्रांसफर कर सकती हैं, जिससे भारत में बने इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट्स की कीमतें कम हो सकती हैं।

कहा, बड़े आपराधिक नेटवर्क से जुड़ी है इस तरह की धोखाधड़ी

ट्रंप प्रशासन ने शुरू की एच 1बी धोखाधड़ी की बड़ी जांच

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा और पीईआरएम रोजगार वीजा से जुड़ी कथित धोखाधड़ी की अपनी पहली बड़ी जांच शुरू कर दी है।

अमेरिकी श्रम विभाग ने कहा है कि जांचकर्ताओं ने श्रमिकों की तस्करी और विदेशी कामगार कार्यक्रमों के दुरुपयोग की व्यापक जांच के तहत पहले ही दर्जनों समन जारी कर दिए हैं। एक संघीय श्रम अधिकारी ने बताया कि जांच के दायरे में आने वाली कंपनियों में आइटी कंपनी 'काग्निजेंट' भी शामिल है। श्रम विभाग के महानिरीक्षक एंथनी डी'एस्पोसिटो ने बताया कि यह जांच विदेशी श्रमिकों से जुड़ी धोखाधड़ी के विरुद्ध महानिरीक्षक कार्यालय द्वारा अब तक की गई सबसे सख्त कार्रवाइयों में से एक होगी। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि जांचकर्ता ट्रंप प्रशासन और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व वाले धोखाधड़ी पर कार्यबल के सहयोग से हर सुराग पर काम करेंगे। साथ ही आरोप लगाया कि विदेशी श्रमिक कार्यक्रमों से जुड़ी धोखाधड़ी बड़े आपराधिक नेटवर्क से जुड़ी हुई है। लिहाजा यह धोखाधड़ी हिंसक अपराधों को बढ़ावा दे रही है। अमेरिका को फिर से सुरक्षित और अधिक किफायती बनाने के लिए ऐसा करना जरूरी है।

अमेरिकी श्रम विभाग ने जांच के तहत जारी किए दर्जनों समन

एच-1बी वीजा व ग्रीन कार्ड आवेदकों के लिए 10 जुलाई से नए हस्ताक्षर नियम

अमेरिका की नागरिकता व आव्रजन सेवा (यूएससीआइएस) 10 जुलाई से एच-1बी वीजा याचिकाएं और ग्रीन कार्ड आवेदन समेत आव्रजन लाभ अनुरोध (इमीग्रेशन बेनिफिट रिक्वेस्ट) पर हस्ताक्षर करने तरीकों के बारे में नए नियम लागू करेगा।

यूएससीआइएस ने एक बयान में कहा, आव्रजन लाभ प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने और लाभ मांगने वालों की पहचान सत्यापित करने के लिए यूएससी-आइएस गलत हस्ताक्षर वाले किसी भी लाभ अनुरोध को खारिज कर देता है और उसे वापस कर देता है।

यूएससीआइएस गलत हस्ताक्षर सुधारने का मौका नहीं देता। हालांकि, आवेदक सही हस्ताक्षर के साथ लाभ अनुरोध फिर दाखिल कर सकता है, बशर्ते फाइलिंग की सभी जरूरतें पूरी होती हों, जिसमें आवश्यक शुल्क का भुगतान शामिल है। यूएससीआइएस दोबारा दाखिल लाभ अनुरोध को स्वीकार कर सकता है।

ट्रंप ने भरी पुराने एयर फ़ोर्स वन से उड़ान

ईरान से तनाव के बीच बनाई कतर के 400 मिलियन डॉलर के तोहफे से दूरी

- ट्रंप पुराने एयर फोर्स वन से वाशिंगटन लौटे
- ईरान से बढ़ते तनाव के कारण सुरक्षा चिंताएं
- कतर से मिले नए विमान से बनाई दूरी

वाशिंगटन, एजेंसी

ईरान के साथ बढ़ते तनाव और सुरक्षा चिंताओं के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन से पुराने 'एयर फोर्स वन' विमान में वाशिंगटन वापस लौटे हैं। ट्रंप ने कतर द्वारा उपहार में दिए गए नए बोइंग 747-8 विमान से दूरी बनाते हुए अपनी यात्रा के दौरान इस पुराने विमान का इस्तेमाल किया। हालांकि, ट्रंप ने सुरक्षा चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि वे केवल पुराने समय की यादों के लिए इसमें लौटे हैं। इस बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में हमलों के बाद अमेरिका और ईरान के बीच बहरीन तथा कुवैत जैसे सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से जवाबी हमले तेज हो गए हैं।

क्या बोला व्हाइट हाउस?

वहीं, व्हाइट हाउस ने इस बात को खारिज कर दिया कि नया विमान असुरक्षित था। संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने कहा कि यह उच्च स्तरीय सुरक्षा प्रोटोकॉल से लैस है। उन्होंने आगे कहा कि प्रशासन राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए ध्यान भटकाने और गुमराह करने सहित हर संभव उपाय का इस्तेमाल करता है। हालांकि, ट्रंप ने सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण इस बदलाव की बात को सिरे से खारिज कर दिया। ब्रिटेन से रवाना होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, मुझे हर समय खतरा बना रहता है। मैं उनकी सूची में पहले नंबर पर हूं।

पुराने विमान से यात्रा को लेकर ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्होंने पुराने एयर फोर्स वन विमान में पुराने समय की यादों के लिए यात्रा की।

ट्रंप ने क्यों किया पुराने एयर फोर्स वन का इस्तेमाल?

न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच फिर से शुरू हुए संघर्ष के बाद ट्रंप ने कतर द्वारा उपहार में दिए गए 400 मिलियन डॉलर के नए बोइंग 747-8 विमान के बजाय अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की सलाह पर पुराने राष्ट्रपति विमान का इस्तेमाल करना शुरू किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह कदम किसी विशिष्ट खतरे के जवाब में नहीं, बल्कि एहतियाती उपाय के तौर पर उठाया गया था, हालांकि अधिकारियों ने स्वीकार किया कि नए विमान में अभी तक वे सभी सुरक्षा सुविधाएं नहीं हैं जो मौजूदा वायु सेना के वन बेड़े में मौजूद हैं।

अरब सागर में लापता पाकिस्तानी कार्गो विमान का मलबा मिला

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के एक बोइंग कार्गो विमान का मलबा मिल गया है। 27 साल पुराना यह विमान मंगलवार को शारजाह से कराची आने के दौरान अरब सागर के ऊपर रडार से गायब हो गया था। विमान में सवार पांच सदस्यीय चालक दल की तलाश चल रही है। विमान का मलबा ओरमारा बंदरगाह से 53 नाटिकल मील दक्षिण में मिला।

इससे पहले अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि कार्गो विमान कराची से लगभग 300 किलोमीटर पश्चिम में अरब सागर के ऊपर रडार की पहुंच से गायब हुआ था।

संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह से कराची आ रहे के2 एयरवेज के विमान ने नेविगेशन सिस्टम में गड़बड़ी की सूचना दी थी और इसके बाद मंगलवार रात रडार से गायब हो गया।

पाकिस्तानी एयरपोर्ट अथॉरिटी के अनुसार, रेस्क्यू को-ऑर्डिनेशन सेंटर को सक्रिय किया गया है और विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से समुद्र में खोज अभियान शुरू किया गया है। कराची स्थित के2 एयरवेज एक प्राइवेट एयरलाइन है।

मुहर : गगनयान मिशन में मदद भी करेगा, यूरेनियम परमाणु ऊर्जा और हथियार दोनों के लिए जरूरी

भारत को यूरेनियम सप्लाई करेगा ऑस्ट्रेलिया

मेलबर्न, एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यूरेनियम डील पर मुहर लग गई है। मेलबर्न में पीएम मोदी और ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीज ने मीटिंग के बाद जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में रक्षा, व्यापार, ऊर्जा, स्पेस और महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स) समेत कई क्षेत्र में समझौतों की घोषणा की।

मोदी ने कहा- ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियम मिलने से भारत के स्वच्छ ऊर्जा मिशन को मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि भारत और ऑस्ट्रेलिया मिलकर क्रिटिकल मिनरल्स कॉरिडोर भी विकसित करेंगे। कोकोस (कीलिंग) द्वीप पर स्पेस ट्रैकिंग टर्मिनल बनाया जाएगा, जिससे भारत के गगनयान मिशन को मदद मिलेगी। भारत अभी 4 देशों से यूरेनियम खरीदता है। ऑस्ट्रेलिया पांचवां है। यूरेनियम परमाणु उर्जा और बम दोनों के लिए जरूरी है। पीएम ने कहा- भारत और ऑस्ट्रेलिया का रिश्ता क्रिकेट जैसा है। हमारी मुलाकातें क्रिकेट की तरह होती हैं। एजेंडे में वनडे जैसा फोकस है, फैसले टी-20 की तरह तेजी से होते हैं और हमारी साझेदारी टेस्ट मैच की तरह लंबी और मजबूत है। मोदी ने कहा- भारत और ऑस्ट्रेलिया का मानना है कि आतंकवाद पूरी मानवता के लिए एक गंभीर चुनौती है। आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई साझा है और इस क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है। पीएम अल्बनीज ने कहा- अब तक दोनों देशों की सप्लाई चेन तो जुड़ी हुई थी, लेकिन हमारी नीतियां अलग-अलग थीं। आज का यह कदम उस दूरी को खत्म करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा- आज हमने 2015 के भारत-ऑस्ट्रेलिया परमाणु सहयोग समझौते के तहत भारत को यूरेनियम निर्यात की व्यवस्था पर साइन किए हैं। हम दोनों देशों के रिश्तों को और गहरा बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

दोनों देश एआई, क्वांटम, सेमीकंडक्टर पर मिलकर काम करेंगे

दोनों देशों ने ऑस्ट्रेलिया-भारत साइबर, क्रिटिकल टेक्नोलॉजी और सप्लाई चेन पार्टनरशिप शुरू करने पर सहमति जताई है। इसके तहत दोनों देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, साइबर सिक्योरिटी और डिजिटल रेजिलिएंस जैसे क्षेत्रों में एकसाथ रिसर्च करेंगे।

■ पीएम ने ऑस्ट्रेलिया-भारत CEO फोरम में शामिल होने के बाद X पर तस्वीरें शेयर कीं।

प्याज-टमाटर के दाम बढ़े, जून में वेज थाली 5% महंगी

नॉनवेज-थाली की कीमतों में भी इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी

घर पर तैयार होने वाली वेज थाली की एवरेज कीमत देशभर में 5% बढ़कर 28.4 रुपए हो गई है। पिछले साल जुलाई-2025 में वेज थाली की कीमत 28.1 रुपए थी। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने मंथली रिपोर्ट में बताया कि, जून-2026 में टमाटर, प्याज, खाने का तेल और रसोई गैस सिलेंडर महंगा होने से थाली की कीमत बढ़ी है। महंगाई से आलू की कीमतों में आई गिरावट के असर भी खत्म हो गया। एजेंसी की राइस रोटी रेट (RRR) रिपोर्ट के मुताबिक, चिकन की सप्लाई घटने से नॉन-वेज थाली की कीमत भी जून में 6% महंगी हुई है। वहीं, मौसम की मार के कारण आने वाले दिनों में दालों की कीमत भी बढ़ सकती हैं। अगर महीने-दर-महीने (मई 2026 के मुकाबले जून 2026) के आधार पर देखें, तो वेज थाली 4% और नॉन-वेज थाली 3% महंगी हुई है। इस दौरान मासिक आधार पर टमाटर के दाम 17%, आलू के 5% और प्याज के दाम 8% बढ़े हैं, जिससे थाली की लागत ऊपर गई। वहीं कम सप्लाई के बीच ब्रॉयलर की कीमतों में भी महीने-दर-महीने के आधार पर 2% की बढ़त अनुमानित है। क्रिसिल इंटेलिजेंस के डायरेक्टर पुशन शर्मा के मुताबिक, मिडिल ईस्ट में अमेरिका-ईरान के बीच चल रही जंग के कारण ग्लोबल लेवल पर सप्लाई चेन प्रभावित हुई है।

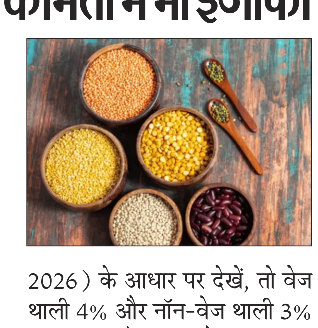

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676